हरिभूमि

महेन्द्रगढ़-नारनौल भूमि

रोहतक, शुक्रवार, 5 जुलाई 2024

11 पूर्व शिक्षामंत्री की शह के बिना इतने बड़े स्तर पर फर्जी दाखिले का घोटाला असंभव

12 जमकर बरसे बदरा, हर तरफ पानी ही पानी, शहर में जलभराव बना आफत

खबर संक्षेप

वाहन रजिस्ट्रेशन की नई सीरीज शुरू

नारनौल। अब वाहन पंजीकरण की एचआर 35 डब्ल्यू की नई सीरीज शुरू हो गई है। फैंसी नंबरों के लिए आवेदक आठ जुलाई तक उप मंडल अधिकारी कार्यालय में आवेदन कर सकते हैं। यह जानकारी देते हुए एसडीएम डा. जितेंद्र सिंह ने बताया कि एचआर 35वीं की सीरीज एक जुलाई को समाप्त हो गई है। अब वाहन पंजीकरण की एचआर 35 डब्ल्यू की नई सीरीज शुरू हो गई है।

बिजली ट्रांसफार्मर की क्वाइल चोरी

मंडी अटेली। अटेली थाना के अंतर्गत आने वाले धन्नौंदा गांव में ट्यूबवेल से बिजली ट्रांसफार्मर की क्वाइल अज्ञात चोर चोरी कर ले गए। पीड़ित ने इसकी शिकायत पुलिस में दी है। पीड़ित धन्नौंदा निवासी रणसिंह ने बताया कि गत एक जुलाई को रात्रि के समय उसके कुएं से ट्रांसफार्मर की क्वाइल चोरी कर ले गए। अटेली पुलिस ने पीड़ित व्यक्ति की शिकायत पर मामला दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी।

सांसद का नागरिक अभिनंदन आज

महेंद्रगढ़। भिवानी-महेंद्रगढ़ लोकसभा क्षेत्र से लगातार तीसरी बार चुने गए सांसद चौधरी धर्मवीर सिंह का आज शाम छह बजे राव तुलाराम चौक के पास पाल पैलेस पर उनके सांसद बनने के उपरांत पहली बार शहर में पहुंचने पर विभिन्न सामाजिक संगठनों द्वारा नागरिक अभिनंदन किया जाएगा। हरियाणा यादव महासभा कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष रमेश राव पायलट ने बताया कि सांसद चौधरी धर्मवीर सिंह का भिवानी-महेंद्रगढ़ लोकसभा से लगातार तीसरी बार सांसद बनने पर हरियाणा यादव महासभा समेत विभिन्न सामाजिक संगठन नागरिक अभिनंदन करेंगे व क्षेत्र के ज्वलंत मुद्दों को उनके सम्मुख निवारण के लिए रखेंगे।

अटेली विधानसभा सीट : लोकसभा चुनाव-2019 में भाजपा की 70 हजार की थी लीड, अब घटकर हो गई 17 हजार, कांग्रेसियों ने जीत के लिए भागदौड़ शुरू की

- जहां पूर्व सीएम राव बिरेंद्र सिंह बने तीन बार विधायक, बेटे व पौते हारे अब फिर भागदौड़ की शुरू
- भाजपा से राव इंद्रजीत सिंह की बेटी हो सकती है इस सीट से उम्मीदवार, कांग्रेस अगर हारी तो उसका सबसे बड़ा कारण रहेगा आपसी गुटबाजी

नीरज कुमार ▶▶ मंडी अटेली

लोकसभा के चुनावों के बाद अब विधानसभा चुनाव की तैयारी है। राजनैतिक दलों ने अपने जिताऊं व टिकाऊं प्रत्याशियों की तलाश शुरू कर दी है। जिला में सबसे बड़ी अटेली विधानसभा है। इसमें दो बड़े अटेली व कनीना है। दोनों में नगर पालिका है। यहां 215 बूथ पर दो लाख दो हजार सात वोटर है। इस सीट पर अब तक हुए 13 विधानसभा चुनावों में छह बार कांग्रेस की जीत हुई है। इस समय लगातार दो बार (साल 2014 व 2019) भाजपा का कब्जा है। इस सीट की खास बात है कि यहां से प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री राव बिरेंद्र सिंह भी दो बार प्रतिनिधित्व कर चुके है।

यह अलग बात है कि उनके बेटे राव अजीतसिंह तीन बार और दिवंगत पोते राव अर्जुनसिंह को साल 2019 में हार भी मिली। साल 2019 के चुनाव में जब भाजपा जीती तो कांग्रेस दूसरे पर भी नहीं थी। बसपा प्रत्याशी एडवोकेट अतरलाल ने यहां से 37 हजार 387 वोट हासिल कर सबसे चौका दिया था। अतरलाल तब से अब तक रेगुलर क्षेत्र में रहकर आवाज उठा रहे है। ऐसे में भाजपा व कांग्रेस प्रत्याशी को सबसे बड़ी चुनौती अतरलाल एडवोकेट से ही मिल सकती है।

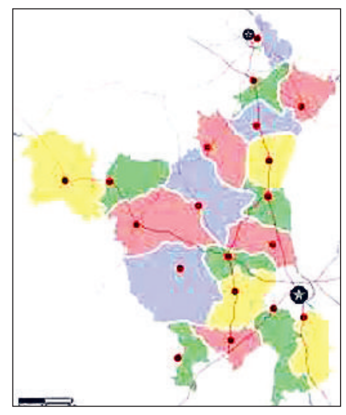

मंडी अटेली। अटेली विधानसभा।

साल 2019 में जब लोकसभा चुनाव हुए तो भाजपा को इस विधानसभा से 73 हजार की लीड मिली थी। अब 2024 में लोकसभा चुनाव का परिणाम सामने आया तो लीड का मार्जन घटकर 19 हजार हो गया। कांग्रेस प्रत्याशी रहे राव दानसिंह ने इस मार्जन को कम किया तो कांग्रेसियों में उत्साह है और विधानसभा चुनाव में जीत मानकर टिकट के लिए भागदौड़ कर रहे है। अगर विधानसभा चुनाव-2019 की बात करें तो भाजपा के सीताराम यादव ने 55793 वोट मिले और जीत हासिल की। बसपा के ठाकुर अतरलाल ने 37383 वोट लेकर दूसरा नंबर हासिल किया। पूर्व सीपीएस कांग्रेस नेत्री अनीता यादव के बेटे सम्राट यादव ने जेजेपी पार्टी से चुनाव लड़ा और 13191 वोट मिले। पूर्व सीएम राव बिरेंद्र के पौत्र व कांग्रेसी प्रत्याशी राव अर्जुनसिंह महज 9238 वोट में ही सिमट गए थे।

अब ये नेताजी कर रहे टिकट की भागदौड़

विधानसभा के चुनावों की तैयारियों को लेकर प्रत्याशियों ने विभिन्न जनसंचार के माध्यमों से प्रचार-प्रसार शुरू कर दिया है। लोकसभा के चुनावों में भाजपा को हाफ करने के बाद कांग्रेस के संभावित प्रत्याशियों की लंबी सूची बनती जा रही है। जिनमें पूर्व सीपीएस अनीता यादव, पूर्व मंत्री राव नरेंद्र सिंह, सुरेंद्र नंबरदार, सुरेंद्र पटवा, डॉ. हिम्मत सिंह व सरपंच राधेश्याम प्रमुख रूप से शामिल है। भाजपा से वर्तमान विधायक सीताराम यादव के अलावा पूर्व डिप्टी स्पीकर संतोष यादव, आरपीएस स्कूल संचालक मनीष यादव, विकास चेयरमैन, रोशन लाल यादव व बोचड़िया के पूर्व सरपंच कुलदीप यादव ने प्रचार बड़े-बड़े होर्डिंग्स आदि लगाने के साथ अनाज मंडी अटेली में पार्टी का कार्यालय खोल दिया है। यह भी चर्चा है कि राव इंद्रजीत सिंह की बेटी आरती राव भी यहां से चुनाव लड़ सकती है। वही बसपा से ठाकुर अतरलाल अपनी जीत को अब की बार पक्का मान कर चल रहे है। दूसरी तरफ, पूर्व सीएम राव बिरेंद्र के पोते राव अभीजीत अटेली में 30 जून को अनाज मंडी में सभा कर चुनाव लड़ने का ऐलान कर चुके है। अभी चुनाव को तीन से चार माह का समय है। कुछ ओर भी नेताजी दिखाई दे सकते है। निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में राव ओमप्रकाश इंजीनियर भी किस्मत आजमा सकते है। जब साल 1996 में चुनाव हुए तो वह दूसरे नंबर पर रहे थे। वह 19277 वोट लेकर 2844 वोटों के अंतर पिछड़ गए थे, हालांकि उसके बाद 2000 में बसपा के चुनाव चिन्ह पर भी लड़े लेकिन जीत नसीब नहीं हुई थी, अब क्षेत्र की जनता के बीच में फिर से है।

महेंद्रगढ़। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी से आईएमटी खुडाना को लेकर चर्चा करते पूर्व मंत्री रामबिलास शर्मा। फोटो : हरिभूमि

आईएमटी खुडाना का फिर गर्माएगा मुद्दा, चंडीगढ़ से आज पहुंचेगी टीम, सपना पूरा करने में जुटे रामबिलास

महेंद्रगढ़। आईएमटी खुडाना के कार्य की प्रगति को निकट भविष्य में पंख लगने की संभावना बढ़ गई है। पांच जुलाई को दोपहर 12 बजे सैनिक विश्रामगृह महेंद्रगढ़ चंडीगढ़ से उच्च अधिकारियों की टीम पहुंचेगी, इस दौरान उनके साथ पूर्व शिक्षा मंत्री एवं महेंद्रगढ़ के पूर्व विधायक रामबिलास शर्मा भी उपस्थित रहेंगे। महेंद्रगढ़ विधानसभा क्षेत्र के गांव खुड़ाना में पूर्व शिक्षा मंत्री प्रो. रामबिलास शर्मा के अथक प्रयास से आईएमटी की आधारशिला पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने 24 फरवरी 2019 को रखी थी, जिसके लिए किसानों की जमीन अधिग्रहण का कार्य भी लगभग पूरा हो गया था। आधारशिला रखने के बाद 2019 के अंत में हुए विधानसभा चुनावों में महेंद्रगढ़ से भाजपा उम्मीदवार प्रो. रामबिलास शर्मा चुनाव हार गए थे। फिर भी उन्होंने आईएमटी खुडाना के लिए अनेक प्रयास किए। 2019 के विधानसभा चुनाव के बाद मुख्यमंत्री मनोहर लाल दोबारा प्रदेश के जजपा पार्टी गठबंधन के साथ मुख्यमंत्री बने। पूर्व शिक्षा मंत्री रामबिलास शर्मा ने पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल से साढ़े चार साल के कार्यकाल में 18 बार मुलाकात कर आईएमटी खुडाना बनाने के लिए प्रयास किया, जिस पर कुछ कार्य भी धरातल पर हुआ। अब प्रदेश के नए मुखिया नायब सिंह सैनी बन जाने के बाद पूर्व शिक्षा मंत्री प्रो. रामबिलास शर्मा ने लगभग एक सप्ताह चंडीगढ़ में प्रवास कर मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी से मुलाकात व उच्च अधिकारियों से मुलाकात कर आईएमटी खुडाना को पंख लगाने का प्रयास किया है, जिसकी बदौलत पांच जून को चंडीगढ़ से उच्च अधिकारियों की टीम महेंद्रगढ़ विश्रामगृह में पहुंचेगी। इस मौके पर स्थानीय उच्च अधिकारी भी मौजूद रहेंगे।

पार्षदों के धरने को चेयरपर्सन ने दिया समर्थन, फिर लगे 'नगर परिषद चोर है' के नारे

धरने पर राजनीति : जिन 3 कुर्सी के विरोध में धरना, उनमें से एक ने धरने का किया समर्थन

सतीश सैनी ▶▶ नारनौल

शहर में होने वाले या हो रहे जनहित कार्यों को प्रभावित करने का आरोप पार्षद तीन कुर्सी (प्रधान, उपप्रधान व अधिकारी) पर लगा रहे है। इसी विरोध में पार्षदों के तीन दिन का अल्टीमेटम खत्म होने के बाद वीरवार नगर परिषद के मुख्य गेट के पास धरना शुरू कर दिया। इस धरने के पहले ही दिन अजीब सी स्थिति देखने को मिली। जिन तीन कुर्सी के विरोध में पार्षद धरना दे रहे थे, उनमें से एक कुर्सी यानी प्रधान कमलेश सैनी ही धरने स्थल पर पहुंच गई और करीब डेढ़ घंटे बैठ धरने को समर्थन दे दिया। यहीं नहीं, जब प्रधान धरने पर बैठी तो पार्षदों ने उनकी मौजूदगी में ही 'गली-गली में शोर है नगर परिषद चोर है' नारे लगे। जब इस बारे में धरने का नेतृत्व कर रहे पार्षद नितिन चौधरी से पूछा गया कि धरना तीनों कुर्सी प्रधान, उपप्रधान व नप अधिकारियों के खिलाफ था तो आज धरने पर एक कुर्सी मतलब प्रधान ने आकर समर्थन दे दिया तो विरोध किसका हुआ? के सवाल पर उनका कहना था कि आपका सवाल वाजिब है।

- पहले ही दिन गुटबाजी की भेंट चढ़ा पार्षदों का धरना, शामिल होने के बाद कुछ पार्षदों ने बढ़ाई दूरियां

इस मुद्दे को भटकाने की कोशिश की जा रही है। तीन दिन का जो अल्टीमेटम दिया था, वह पत्र भी प्रधान के नाम ही दिया था। कल बुधवार भी प्रधान को स्पष्ट कह दिया था कि तीन कुर्सी (प्रधान, उपप्रधान व अधिकारी) के खिलाफ हमारा विरोध है। मैं आपसे ही मांग कर रहा हूं और आप ही धरने पर बैठ जाओगी तो समाधान कैसे निकलेगा। हमने धरने पर प्रधान को भी नहीं बुलाया। यह बात सही है प्रधान धरने पर आई, लेकिन प्रधान ने समस्या का हल निकालने की तो कोशिश नहीं की।

यहीं कारण है कि प्रधान की ओर से हाउस की मीटिंग नौ जुलाई को करने का जो लेटर निकाला और धरने पर दिया गया, हमने उस लेटर का भी विरोध किया है। पार्षदों का यह धरना शहरहित में तीन कुर्सी (प्रधान, उपप्रधान व अधिकारी) के ही खिलाफ है।

नारनौल। जिस अव्यवस्था के खिलाफ पार्षदों का धरना, नप गेट पर ही दिखा उसका नजारा।

पार्षद बोले...वार्डवासी हमें सुना रहे, हम किसे सुनाएं...

पार्षद नितिन चौधरी का कहना था कि जब वार्ड में जनहित से जुड़े काम नहीं होते तो वह हमें सुनाते है। हम किसे सुनाएं। नगर परिषद प्रशासन से अरदास करते है तो कोई सुनवाई नहीं होती। उन्होंने कहा कि तीन दिन के अल्टीमेटम दिए बाद भी प्रधान सहित किसी भी अधिकारी ने हमारी सुध नहीं ली और बेहद परेशान होकर आज हम धरने पर बैठे हैं। जब तक इसका समाधान हमें नहीं मिलता, तब तक रोजाना यह धरना जारी रहेगा। पार्षद टिंकू सैनी व पार्षद रविन्द्र भांखर ने बताया कि ठेकेदारो का भुगतान ना होने के कारण शहर में विकास की गति रुक गई हैं। पार्षद काशीराम व पार्षद अजय सिंघल ने बताया कि छलक नाले के निर्माण में हो रही देरी के कारण पूरा शहर डूबने को हो रहा हैं। पार्षद संजय सैनी व सोनम यादव ने बताया कि नगर परिषद में लाइट्स आने के बाद भी टेंडर नहीं हो रहें।

जिनके खिलाफ धरना, वहीं बैठ गए फिर कैसा धरना : वार्ड नंबर 16 से पार्षद विशाल सैनी ने कहा कि हम सब साथी पार्षदों ने मिलकर नगर परिषद के अधिकारी, प्रधान व उपप्रधान के खिलाफ धरना शुरू किया था लेकिन इसको राजनीति बनाने के लिए जिनके खिलाफ धरना शुरू किया था, वह खुद ही बैठ गए जोकि सीधा-सीधा संकेत इस धरने को हाईजैक किया गया। हमारी प्रधान से और उपप्रधान से कोई व्यक्तिगत दुश्मनी नहीं है, लेकिन यह नाराजगी हमारी उनके खिलाफ भी थी। अब यह धरना राजनीतिक बन गया है। इस कारण वह इस धरने का बहिष्कार करते है।

'रेगुलर धरने पर बैठेगी या समर्थन?' प्रधान का जवाब 'समर्थन': प्रधान कमलेश सैनी से पूछा गया कि आज आप डेढ़ घंटे धरने पर बैठकर आए है। आपने धरने को समर्थन दिया है या आप भी धरने पर रेगुलर बैठेंगी? इस पर उनका कहना था कि समर्थन दिया है। पार्षदों की सभी मांग जायज है और जनहित से जुड़ी है। नगर परिषद की कार्यप्रणाली सुचारू रूप से नहीं चल रही है, उससे पार्षद परेशान है। इस विषय में मैं उनके साथ खड़ी हूं। बाकी सरकार से किसी भी तरह का विरोध नहीं है। सरकार अच्छा काम कर रही है। सीएम साहब रोजाना अच्छी योजनाएं जनहित की लागू कर रहे है। अब यहां नगर परिषद का काम तो अधिकारियों को देखना है।

धरने को इन्होंने दिया समर्थन

वार्ड नंबर 20 से पार्षद नितिन चौधरी बताया कि धरने को पार्षद सोनम यादव, पार्षद राजेंद्र टिंकू सैनी, पार्षद अजय सिंघल, पार्षद संजय सैनी, पार्षद रविंद्र भांखर, पार्षद विशाल सैनी, पार्षद मोहन शर्मा, पार्षद मुकेश शर्मा, पार्षद काशीराम, पार्षद प्रतिनिधि विनोद सैनी, पार्षद प्रतिनिधि अरुण यादव, पार्षद प्रतिनिधि अनिल यादव, पार्षद प्रतिनिधि भास्कर खनगवाल, चेयरपर्सन पति रघुबीर सैनी, चेयरपर्सन कमलेश सैनी, सामाजिक कार्यकर्ता डा. विपिन आर्य, राहुल वर्मा, उमाकांत छक्कड़ आदि लोग मौजूद रहें। वहीं महेन्द्रगढ़ सेपार्षदों ने भी धरना स्थल पर पहुंच प्रदर्शन को अपना समर्थन दिया, जिनमें पार्षद प्रतिनिधि चर्चित चेतन राव, पार्षद राजेश सैनी, पार्षद अशोक सैनी, पार्षद निखिल चनेजा, पार्षद प्रतिनिधि अश्विनी सोनी, पार्षद सुखबीर यादव, पार्षद प्रतिनिधि यसपाल यादव, पार्षद देवेंद्र सैनी मौजूद रहें।

सीएम फ्लाइंग व सीआईडी ने किया मत्स्य विभाग का औचक निरीक्षण

- प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना से संबंधित रिकॉर्ड को खंगाला

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

सीएम फ्लाइंग एवं सीआईडी की टीम प्रातः काल को भारी बरसात के दौरान भी सक्रिय नजर आई। दोनों विभागों के संयुक्त दल ने शहर के बस स्टैंड के पास बनी एंपलायज कॉलोनी में मत्स्य विभाग के कार्यालय में औचक निरीक्षण किया गया, जिस पर अधिकारी व कर्मचारी हाजिर पाए गए। इस दौरान प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना से संबंधित रिकॉर्ड को खंगाला गया। इस योजना के कितने लोन पास किए गए, कितने लोन प्रकिया में चल रहे हैं। इस योजना के लिए अब तक कितना बजट आया, कितना बजट खर्च हुआ, इस बारे कितने लोगों को जागरूक किया गया। कितने कैंप लगाए गए, कितने लोगो को ट्रेनिंग दी गई आदि जानकारी जुटाई गई। निरीक्षण के दौरान जो कमियां पाई गई, उसकी रिपोर्ट बनाकर उच्च अधिकारियों को भेजी जाएगी। इस टीम में सीएम फ्लाइंग रेवाड़ी से एसिस्टेंट सब इंस्पेक्टर सचिन कुमार, एसआई जसवंत सिंह, एएसआई अनिल कुमार व एएसआई संजय कुमार आदि शामिल थे।

नारनौल। औचक निरीक्षण के दौरान जांच करती सीएम फ्लाइंग व सीआईडी की टीम। फोटो : हरिभूमि

बाइक चोरी के मामले में दो आरोपित गिरफ्तार

महेंद्रगढ़। वाहन चोरी की वारदातों को अंजाम देने वालों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए थाना शहर पुलिस टीम ने बाइक चोरी के मामले में दो आरोपितों को गिरफ्तार किया, जिनकी पहचान सिगड़ी निवासी अजय और कपिल के रूप में हुई। आरोपितों के कब्जे से चोरी की बाइक को बरामद कर जब्त किया गया। आरोपितों को वीरवार को न्यायालय में पेश कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। पुलिस प्रवक्ता सुमित कुमार ने बताया कि शिकायतकर्ता सोनू वासी देवास ने थाना शहर में बाइक चोरी की शिकायत दर्ज कराई थी।

समाधान शिविर में डीसी साहिबा ने लिया कड़ा संज्ञान, खुद पहुंचीं गुवानी गांव

पेजजल लाइन जोड़ने के लिए अधिकारियों को दिया 48 घंटे का समय

- ग्रामीण विकास की दिशा में पंचायतें सरकार के साथ कदम मिलाते हुए आगे बढ़ें : डीसी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

समाधान शिविर में वीरवार को ग्राम पंचायत गुवानी की ओर से पेयजल के संबंध में रखी गई समस्या पर उपायुक्त मोनिका गुप्ता ने कड़ा संज्ञान लिया। उन्होंने पब्लिक हेल्थ के अधिकारियों को 48 घंटे में पेयजल पाइप लाइन को जोड़ने का आदेश दिया। इसके बाद शाम को स्थिति जानने के लिए उपायुक्त ने खुद गुवानी गांव पहुंचकर मौका मुआयना किया तथा सरपंच व मौजीज लोगों के साथ बैठक की। दरअसल आज लगे समाधान शिविर में गुवानी के सरपंच तथा अन्य मौजूद लोगों ने गांव में पेयजल समस्या की बात रखी।

सरपंच ने बताया कि कनेक्शन न होने के कारण गांव में लगभग 200 घरों में पेयजल की बड़ी समस्या है। इस पर डीसी ने अधिकारियों को तुरंत समाधान के निर्देश दिए। डीसी ने ग्राम पंचायत द्वारा बिछाई गई पेयजल लाइन को पब्लिक हेल्थ के ट्यूबवेल से कनेक्शन के निर्देश दिए। समाधान शिविर में हुए इस त्वरित समाधान से ग्रामीण खुश नजर आए। अपने वादे के अनुसार उपायुक्त ने बारीकी से समस्या के बारे में जानकारी ली। उन्होंने सरपंच के साथ बैठक कर गांव की अन्य समस्या के बारे में भी जानकारी ली। डीसी ने कहा कि ग्रामीण विकास की दिशा में पंचायतें सरकार के साथ कदम मिलाते हुए आगे बढ़ें। सरकार व जिला प्रशासन हर मामले में उनके साथ हैं। उन्होंने हरियाणा सरकार द्वारा सरपंचों की शक्तियों को बढ़ाने के बारे में भी जानकारी दी। इस मौके पर ग्रामीणों ने महात्मा गांधी ग्रामीण बस्ती के लिए भी पेयजल पाइपलाइन बिछाने की मांग रखी। इसके अलावा पशु अस्पताल की चार दीवारी बनाने की मांग रखी। वहीं अधूरे पड़े रोड़ को डीसी ने तुरंत शुरू करवाने के निर्देश दिए। डीसी ने पौधारोपण अभियान को जोर शोर से चलाने को कहा। उन्होंने कहा कि गांव को हरा भरा बनाने में सभी ग्रामीण भागीदारी निभाएं। इस मौके पर सीटीएम मंजीत सिंह, पब्लिक हेल्थ के एक्सईएन प्रदीप कुमार, बीडीपीओ नवदीप सिंह, सरपंच रीना देवी, दिनेश कुमार के अलावा अन्य गणमान्य नागरिक भी मौजूद थे।

नारनौल। गांव गुवानी में सरपंच के साथ गांव का दौरा करती डीसी मोनिका गुप्ता। फोटो : हरिभूमि

रेगुलर पॉलिसी में शामिल करने की मांग

अनुबंधित विद्युत कर्मियों ने प्रदर्शन कर डीसी को सौंपा ज्ञापन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

अनुबंधित विद्युत कर्मचारी संघ हरियाणा संबंधित भारतीय मजदूर संघ ने वीरवार को उपायुक्त के माध्यम से अपनी मांगों को लेकर मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा। जिसका नेतृत्व जिला अध्यक्ष आशीष गोरा ने किया। मंच सचालन जिला सचिव कर्मवीर जाखड़ ने किया। इस अवसर पर प्रदेश उपाध्यक्ष रवि श्रीवास्तव व कोषाध्यक्ष विकास बेनीवाल, भारतीय मजदूर संघ से जिला मंत्री भंवरलाल ने विशेष रूप से मौजूद रहे।

इससे पूर्व बैठक को संबोधित करते हुए जिला अध्यक्ष आशीष गोरा ने कहा कि आज बिजली निगम का सारा बोझ अनुबंधित कर्मचारियों के कंधों पर है। प्रदेश में किसी भी समय बाढ़, कोरोना काल, भीषण गर्मी, सर्दी में भी बिजली सेवा सुचारू रूप से चले इसलिए कार्य करते हुए अभी तक पूरे प्रदेश में दर्जनों अनुबंधित कर्मचारी अपनी जान गवां चुके हैं और सैकड़ों कर्मचारियों के अंग भंग हो चुके हैं। अपनी जान पर खेल कर काम करने वाले अनुबंधित कर्मचारियों को सरकार एवं निगम की तरफ से बहुत कम वेतन व नाममात्र सुविधा मिलती है, जिससे संगठन में भारी रोष है। उन्होंने ज्ञापन में संगठन की मुख्य मांग सरकार की ओर से रेगुलर पॉलिसी बनाने, जिसमें विद्युत निगम के सभी कर्मचारियों को शामिल करने की मांग की। इसके अलावा कैशलेस मेडिकल पॉलिसी, रिस्क अलाउंस एग्रेच्युटी, एलटीसी व बोनस के अलावा खेदड़, यमुनानगर थर्मल में कार्यरत कर्मचारी, जिनका 12 जून 2023 को मैनेजमेंट के साथ हुए समझौते को लागू करने व अन्य मांगें शामिल है। उन्होंने कहा कि अगर सरकार ने समय रहते संघ के साथ बैठक कर मांगों को पूरा नहीं किया, तो संगठन का पांच जुलाई से 15 जुलाई तक सभी विधायकों, सांसदों, मंत्रियों को ज्ञापन देगा। अगर फिर भी संघ की अनदेखी की गई तो सरकार को इसका खामियाजा भुगतना पड़ेगा।

उन्होंने कहा कि संगठन 29 जुलाई को करनाल में मुख्यमंत्री के आवास पर विरोध प्रदर्शन करेगा। इसके बाद वहीं पर अनिश्चितकालीन धरना शुरू कर किया जाएगा। इस मौके पर जिला उपाध्यक्ष मोहन महेंद्रगढ़ व अनूप नारनौल, जिला कोषाध्यक्ष प्रवीण, जिला सलाहकार चिंतामणि गुप्ता, प्रेस सचिव सूरज कौशिक, सहसचिव करण सिंह, सहकोषाध्यक्ष रवि यादव, जिला कार्यकारिणी सदस्य धीरज, अशोक, अनूप व उमेश कुमार, डिवीजन अध्यक्ष रामौतार यादव, महेंद्रगढ़ डिवीजन अध्यक्ष बलवीर यादव आदि सहित सैकड़ों कर्मचारी मौजूद थे।

नारनौल। ज्ञापन सौंपते अनुबंध विद्युत कर्मचारी। फोटो : हरिभूमि

स्पेशलः वर्ल्ड चॉकलेट-डे, 7 जुलाई

यमी चॉकलेट बड़ी टेस्टी है कहानी

बच्चों, चॉकलेट खाने में तो तुम्हें बहुत मजा आता होगा, है ना! क्या तुम जानते हो, इसको सबसे पहले कहां, कब और कैसे बनाया गया था? नहीं पता तो कोई बात नहीं। वर्ल्ड चॉकलेट-डे के अवसर पर हम तुम्हें इन सबके बारे में यहां बता रहे हैं। साथ ही दुनिया की सबसे बड़ी चॉकलेट और चॉकलेट म्यूजियम के बारे में भी जानो।

रोचक जानकारी / शिखर चंद जैन

चॉकलेट खाना तो हर किसी को पसंद होता है। बच्चे तो इसे खूब मजे लेकर खाते हैं। चॉकलेट खाने में जितनी यमी होती है, उतनी ही दिलचस्प इससे जुड़ी बातें भी हैं। तो जानो चॉकलेट से जुड़ी कुछ रोचक बातें-

अमेरिका में हुई शुरुआत

चॉकलेट बनाने की शुरुआत अमेरिका से मानी जाती है। शुरुआती दौर में यहां के लोग चॉकलेट निर्माण में यूज होने वाले कोकोआ-सीड्स को 'गॉड गिफ्ट' मानते थे। वे इसे एक तीखे एनर्जी ड्रिंक की तरह मसालों, कॉर्न सूप आदि के साथ इस्तेमाल करते थे। बीसवीं सदी तक आते-आते अमेरिकी सैनिक युद्ध के मैदान में फास्ट फूड की तरह इसका सेवन करने लगे।

करेंसी के रूप में कोकोआ बींस

बच्चों, तुम्हें जानकर अचरज होगा कि चॉकलेट बनाने के लिए जिन कोकोआ-बींस का इस्तेमाल किया जाता है, इन बींस को प्राचीन माया सभ्यता के लोग करेंसी (मुद्रा यानी रुपए-पैसे के तौर पर) के रूप में इस्तेमाल करते थे। कहते हैं, उन दिनों इसकी कीमत सोने से भी ज्यादा हुआ करती थी। इसका कारण यह था कि कोकोआ की खेती पर प्रतिबंध था और यह आसानी से उपलब्ध नहीं होता था।

ऐसे बनती है चॉकलेट

चॉकलेट, कोकोआ बींस से बनती है। इसकी एक बीन यानी फली में 25 से 50 तक बीज होते हैं। चॉकलेट बनाने के लिए इन बीजों और फली के सफेद पल्प को लकड़ी के कंटेनर में पांच-सात दिनों के लिए बंद कर देते हैं। फिर बीजों को सुखाकर रोस्ट करते हैं, जिससे इनके छिलके अलग हो जाते हैं। इन बीजों से पेस्ट बनाते हैं। पेस्ट में मौजूद कोकोआ बटर को हाइड्रॉलिक प्रेशर से अलग किया जाता है। बचे हुए पेस्ट में चीनी, मिल्क पाउडर और फ्लेवर मिलाकर चॉकलेट बनाते हैं। यहां यह भी बता दें कि दुनिया भर में उपजने वाले कोकोआ का 66 फीसदी हिस्सा पश्चिमी अफ्रीका में पैदा होता है। अकेले आइवरी कोस्ट में पूरी दुनिया का 33-34 फीसदी कोकोआ का उत्पादन होता है।

इंट्रेस्टिंग चॉकलेटी फैक्ट्स

फिल्म के लिए बनाई चॉकलेट की नदी: वर्ष 1971 में एक फिल्म 'विली वोनका एंड चॉकलेट फैक्ट्री' की शूटिंग के लिए चॉकलेट की नदी बना दी गई थी। इसके लिए 15 हजार गैलन पानी में चॉकलेट और क्रीम को मिलाया गया था।

चॉकलेट इंटीरियर वाला घर: वर्ष 2013 में बेलारूस के मिंस्क में रहने वाली एलीना क्लीमेंट ने एक ऐसा अनूठा घर बनाया, जिसमें मौजूद हर चीज चॉकलेट से बनी हुई थी। 600 किलो चॉकलेट की मदद से बने इस 20 वर्ग मीटर के कमरे में टेबल-चेयर, ड्रॉअर, फायर प्लेस, फ्लावरपॉट आदि सब कुछ चॉकलेट से ही बनाया गया था। इसे बनाने में ढाई महीने लगे। प्रदर्शन के बाद ये सभी चॉकलेटी सामान दर्शकों-ग्राहकों को चखाए गए।

सबसे बड़ी चॉकलेट: ब्रिटेन की एक चॉकलेट कंपनी ने साल 2011 में अपनी स्थापना के सौ वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में दुनिया की सबसे बड़ी चॉकलेट का निर्माण किया था। इस चॉकलेट का वजन 5792.50 किलोग्राम था।

चॉकलेट लवर हैं यूरोपियन

यूं तो दुनिया के हर देश में चॉकलेट खाने के शौकीन होते हैं, लेकिन यूरोप के लोग इसको कुछ ज्यादा ही पसंद करते हैं। 'इंटरनेशनल कोको ऑर्गेनाइजेशन' के अनुसार दुनिया की आधी चॉकलेट सिर्फ यूरोपियन खा जाते हैं। इसके मुताबिक एक ब्रिटिश, स्विस या जर्मन नागरिक साल में लगभग 11 किलो चॉकलेट खा लेता है।

दुनिया की सबसे महंगी चॉकलेट

पिछले वर्ष पुर्तगाल के ऑबिदुश शहर में आयोजित इंटरनेशनल चॉकलेट फेस्टिवल में दुनिया की अब तक की सबसे महंगी चॉकलेट 'ग्लोरियस' प्रदर्शित की गई। इस चॉकलेट की कीमत 7728 यूरो यानी लगभग 6,20,863 रुपए थी। रिपोर्ट के अनुसार 24 कैरेट गोल्ड प्लेटेड इस चॉकलेट के निर्माण में केसर, सफेद ट्रफल, मेडागास्कर के खास वनीला का यूज किया गया। 'ग्लोरियस' की पैकेजिंग भी बेहद खास थी। इस पर हजारों स्वरोस्की क्रिस्टल और मोती भी लगाए गए थे। *

अनोखा चॉकलेट म्यूजियम

बच्चों, न्यूयॉर्क (अमेरिका) में एक चॉकलेट म्यूजियम भी है। उसका नाम है- चॉको स्टोरी। अनोखे तरह के इस म्यूजियम को खोलने का विचार जैक्स टोरेस को आया, जो पेशे से एक चॉकलेट मेकर हैं। म्यूजियम की खास बात यह है कि यहां जितनी भी चीजें बनी हुई हैं, वो सब चॉकलेट की ही बनी हुई हैं। तुम इस म्यूजियम में जिधर भी नजर घुमाओगे, तुम्हें सिर्फ और सिर्फ चॉकलेट ही नजर आएगा। म्यूजियम को देखने आने वाले लोगों को सबसे पहले यहां चॉकलेट खाने को दी जाती है। इसके अलावा यहां चॉकलेट के इतिहास के बारे में भी बताया जाता है। ऐसा एक और म्यूजियम जर्मनी के कोलोन शहर में भी मौजूद है, यहां भी चॉकलेट से जुड़ी रोचक जानकारियां दी जाती हैं।

कहानी / संदीप पांडे 'शिष्य'

तेजस को मैथ का सब्जेक्ट बिल्कुल पसंद नहीं था। मैथ्स के सवालों से वह डरता था। लेकिन मम्मी ने एक दिन कुछ ऐसे टिप्स दिए कि तेजस का मैथ को लेकर डर दूर हो गया।

मेरी प्यारी मम्मी

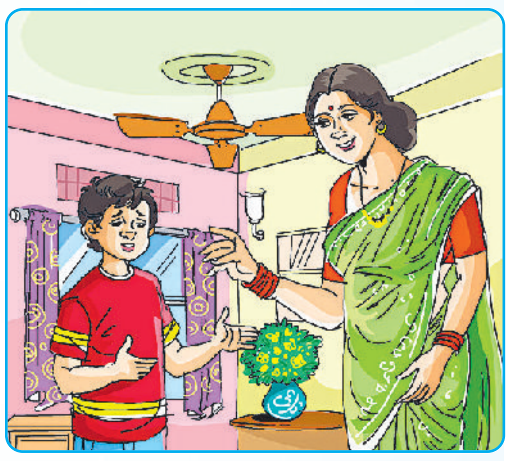

आज तेजस बहुत परेशान था। वह बार-बार पानी पीता और कुछ सोचने लगता। उसे इस तरह परेशान देखकर मम्मी ने पूछा, 'तेजस, इतने परेशान क्यों दिख रहे हो?'

तेजस बोला, 'मम्मी, जब से मैं सेवंथ क्लास में आया हूं, मैथ्स का सब्जेक्ट कुछ समझ में नहीं आता। इस सब्जेक्ट में मेरा बिल्कुल भी मन नहीं लगता है। मैथ की किताब उठाते ही मैं बुरी तरह घबरा जाता हूं। मेरा मैथ का होमवर्क भी अधूरा रह जाता है। आजकल मुझे रात में सोने के बाद भी मैथ्स के ही डरावने सपने दिखाई देते हैं।' यह सब बताते हुए तेजस का चेहरा एकदम मुरझा-सा गया।

'बस इतनी सी बात!' मम्मी हौले से मुस्कुराईं और तेजस को समझाते हुए बोलीं, 'बेटा, स्कूल में जो भी सब्जेक्ट पढ़ने होते हैं, उनको लेकर हम सबकी रुचियां अलग-अलग होती हैं। अन्य सब्जेक्ट्स की तरह ही किसी को मैथ्स बहुत पसंद होती है, किसी को नहीं। लेकिन मैथ के सवालों से घबराकर इसे सॉल्व नहीं करना, इससे दूर भागना ठीक नहीं। बच्चों को अपने सिलेबस के सारे सब्जेक्ट्स पर ध्यान देना चाहिए। रुचि से पढ़ना चाहिए।'

तेजस ने पूछा, 'तो फिर मम्मी हमें क्या करना चाहिए?' 'बेटा, यह जो मैथ का सब्जेक्ट है, इसके लिए सबसे जरूरी है प्रैक्टिस। रेग्युलर प्रैक्टिस से मैथ्स के मुश्किल सवाल भी तुम आसानी से हल कर लोगे। अगर आज का टॉपिक या होम-वर्क कल पर टालते रहोगे तो मैथ्स तुम्हें और भी जटिल, बोझिल लगेगी। ये बातें मैथ्स ही नहीं हर, सब्जेक्ट पर लागू होती हैं।' मम्मी ने तेजस को प्यार से समझाया। तेजस मम्मी की बातें गौर से सुन रहा था। उन्होंने आगे समझाया, 'अब इसका आसान उपाय यह है कि सबसे पहले सरल और जल्दी से हल होने वाले सवाल किया करो। इससे तुम्हें एक खुशी मिलेगी, कॉन्फिडेंस भी बढ़ेगा कि तुमने सवाल हल कर लिया। एक जरूरी बात और सुनो, अगर कोई सवाल नहीं आ रहा हो, तो क्लास में टीचर से पूछने में बिल्कुल भी झिझक मत करो। तुम्हारे जो क्लासमेट्स मैथ्स में तेज हों, उनसे मदद लो। इसमें तुम्हें कभी कोई शर्म महसूस नहीं होनी चाहिए। आखिर वे तुम्हारे दोस्त हैं। अगर बार-बार हल करने पर कोई सवाल हल नहीं हो रहा तो कुछ देर कोई दूसरा सब्जेक्ट पढ़ लो फिर मैथ्स के सवाल हल करो, जरूर सफल होगे।'

'मम्मी, आपने तो मुझे काफी अच्छी सलाह दी है।' तेजस खुश होकर बोला। वह अब अपने-आप को बहुत ही हल्का महसूस कर रहा था।

'बेटा, पढ़ाई में एक और बात जान लो, किसी टफ सब्जेक्ट को ईजी बनाने में ग्रुप-स्टडी बहुत काम आती है। तुम्हें भी अपने दोस्तों के साथ ग्रुप-स्टडी करनी चाहिए। तुम अपने दोस्तों को घर बुला लो। मैं तुम लोगों के बढ़िया से नाश्ते-पानी का इंतजाम कर दूंगी। तुम सभी दोस्त नाश्ता भी करना और हंसते-खेलते मैथ्स के सवाल भी हल करना।' मम्मी ने सुझाव दिया।

'सचमुच मम्मी...!' तेजस हंसते हुए बोला।

'हां-हां बेटा, मैं भी जब तुम्हारी उम्र की थी तो यही करती थी। ग्रुप-स्टडी के दौरान हम एक-दूसरे की काफी मदद करते थे। इसमें हमें बहुत मजा आता था, पढ़ाई कभी भी बोझ नहीं लगती थी।' मम्मी ने बताया।

तेजस को मम्मी की सारी बातें समझ आ गई थीं। उसने तय किया कि वह मम्मी की बताई बातों को अमल में लाएगा। वह बहुत खुश था, क्योंकि उसके मन से मैथ्स का डर भाग चुका था। वह मम्मी के गले लगकर बोला, 'आप मेरी प्यारी मम्मी हो!' *

जीके क्विज-111

1. भारतीय क्रिकेट टीम ने किस देश की टीम को हराकर टी-20 वर्ल्ड कप 2024 जीता?
2. अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 600 छक्के लगाने वाले दुनिया के पहले क्रिकेटर कौन बने हैं?
3. हाल में लगातार दूसरी बार भारत के रक्षा मंत्री कौन बने हैं?
4. हर वर्ष विश्व जनसंख्या दिवस कब मनाया जाता है?
5. ओलंपिक खेल कितने वर्षों के अंतराल पर आयोजित किए जाते हैं?
6. भारत के सुप्रीम कोर्ट की पहली महिला जज कौन थीं?
7. 'भारत कोकिला' के नाम से किन्हें जाना जाता है?
8. दुनिया का सबसे छोटा महासागर कौन सा है?
9. ताज महल किस नदी के तट पर स्थित है?
10. अंतरिक्ष से आसमान का रंग कैसा दिखाई देता है?

बच्चों, जीके क्विज-110 का उत्तर बालभूमि के अगले अंक में प्रकाशित किया जाएगा। सही जवाब देने वाले बच्चों के नाम भी प्रकाशित किए जाएंगे। तुम अपने जवाब हमें **balbhoomihb@gmail.com** पर मेल कर सकते हो।

जीके क्विज-110 का उत्तर : 1.ओम बिरला, 2.अजीत डोभाल, 3.दक्षिण कोरिया, 4.तेलंगाना, 5.अल्बर्ट आइंस्टाईन, 6.अमेजन वर्षा वन, 7.महाराष्ट्र, 8.जम्मू कश्मीर, 9.चंद्रमा, 10.सहारा

जीके क्विज-110 का सही उत्तर देने वाले : मिर्जा अमीन बेग-रतनपुर, कबीर-हिसार, शुभम-बिलासपुर, क्षमानिधि-बेमेतरा, पायल-ईमेल से, बी. आकांक्षा-अहमदाबाद, बी.ईशान-अहमदाबाद, नितिन-दुर्ग, सरबजीत-करनाल, अंजलि-कवर्धा, मानवी मधुकर-बिलासपुर, दिव्या-रोहतक, आदित्य-रायपुर

हंसगुल्ले

नव्या : तुम शीशे के सामने बैठकर क्यों पढ़ती हो?
नैंसी : क्योंकि इसके दो फायदे हैं।
नव्या : क्या फायदे हैं?
नैंसी : साथ में पढ़ने के लिए कंपनी मिल जाती है और खुद पर नजर भी रहती है।

-खुशबू, रायपुर

सोनू : पता है, कल रात भर मुझे नींद नहीं आई।
मोनू : क्यों?
सोनू : मैं सपने देखता रहा कि मैं जाग रहा हूं।

-प्रियांश, रोहतक

टीचर : बच्चों, यमुना नदी कहां बहती है?
रोहन : सर, जमीन पर?
टीचर : मैप में बताओ, कहां बहती है?
रोहन : सर, मैप में नदी बहेगी तो मैप गीला नहीं हो जाएगा?

-आर्यन, दुर्ग

कैसे होती है रिमझिम बारिश

इन दिनों हर जगह बारिश हो रही है। बच्चों को तो बारिश बहुत ज्यादा सुहाती है, क्योंकि उन्हें बारिश में भीगने और छप्पाक-छपाई खेलने का मौका मिलता है। लेकिन क्या तुम जानते हो कि बारिश क्यों और कैसे होती है, बारिश की बूंदें गोल क्यों होती हैं? जानो, बारिश से जुड़ी पूरी जानकारी।

नॉलेज-टॉक / अशोक जोशी

समीर आज जैसे ही स्कूल पहुंचा, एकाएक बारिश होने लगी। वह सोचने लगा, कल तक तो गर्मी थी, अचानक बादल कहां से आ गए और बारिश होने लगी? समीर समझ नहीं पा रहा था कि आखिर बारिश होती कैसे है? विज्ञान के पीरियड में जब श्रीवास्तव सर आए तो उसने बड़ी जिज्ञासा से पूछ ही लिया, 'सर, एक बात समझ में नहीं आती कि बारिश होती कैसे है?' श्रीवास्तव सर पहले मुस्कराए फिर बोले, 'समीर, तुमने बहुत अच्छा प्रश्न पूछा है। तुम्हारी तरह सभी बच्चों के दिमाग में यही प्रश्न उठ रहा होगा। क्यों बच्चों, क्या कहते हो?' 'हां सर, प्लीज हमें बरसात के बारे में बताएं।' बच्चे एक स्वर में बोले। श्रीवास्तव सर ने बताना शुरू किया, 'बच्चों, वर्षा ऋतु, पूरे वर्ष का वह समय होता है, जब किसी क्षेत्र में अधिकांश औसत वर्षा होती है। पूरे भारत में गर्मी के बाद वर्षा ऋतु की शुरुआत जुलाई में होती है और सितंबर तक चलती है। यह ऐसा मौसम है, जिसका अलग-अलग कारणों से लोगों को इंतजार रहता है।'

'लेकिन सर पानी तो जमीन पर होता है। वह आसमान में कैसे पहुंचता है?' समीर की वर्षा को लेकर जिज्ञासा बढ़ती जा रही थी। श्रीवास्तव सर आगे बोले, 'तुम्हारा सोचना स्वाभाविक है कि आखिर आसमान में पानी कैसे पहुंचता है? सुनो, जब सूरज की किरणें धरती पर पड़ती हैं तो यह धीरे-धीरे धरती और विभिन्न जल स्रोतों में उपस्थित पानी को गर्म करने लगती हैं। गर्म होने के कारण पानी के कण एक-दूसरे से दूर होने लगते हैं फिर ये कण वाष्प में बदल जाते हैं। यह वाष्प बिल्कुल हल्की होती है, इसलिए हवा के साथ धीरे-धीरे आसमान की ओर चली जाती है।' 'सर, यह भी बताइए ना कि बादल कैसे बनते हैं और इनसे बारिश कैसे होती है?' विवेक ने अगला सवाल किया। 'वेरी गुड, विवेक...!' श्रीवास्तव सर इस प्रश्न पर खुश हुए, उन्होंने बादल बनने और बारिश होने की प्रक्रिया भी समझाई, 'वास्तव में होता यह है कि प्रत्येक 165 मीटर की ऊंचाई पर औसतन 1 डिग्री सेल्सियस तापमान कम होने लगता है, जिसके कारण ऊपर उठने वाली भाप ठंडी होने लगती है। जब जलवाष्प के ये ठंडे छोटे-छोटे कण एक-दूसरे से मिलकर इकट्ठा होते हैं, तो उन्हें हम बादल कहते हैं। चूंकि ये कण बहुत ही हल्के होते हैं, इसलिए ये हवा में आसानी से उड़ने लगते हैं।' श्रीवास्तव सर ने आगे और भी जानकारी दी, 'बच्चों,जब वायुमंडल का तापमान ओसांक (ड्यू प्वॉइंट) से नीचे गिर जाता है, तब बादल के रूप में संघनित जलवाष्प पानी की बूंदों या ओलों के रूप में पृथ्वी पर गिरने लगता है। बादल के रूप में जमा पानी के इन कणों को जमीन पर गिरने के लिए आपस में मिलकर एक क्रिस्टल बनाना पड़ता है। बर्फ का क्रिस्टल बनाने के लिए इन्हें किसी ठोस चीज की आवश्यकता होती है, जो क्रिस्टल के आधार का काम कर सके। बारिश के लिए जंगल की आग, फैक्ट्री या चिमनी आदि से निकलने वाले धुंए से निर्मित छोटे-छोटे कण, रेत के छोटे कण, सूक्ष्मजीव और अंतरिक्ष से आने वाले छोटे उल्कापिंड भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।'

अब तक शांत बैठी संगीता ने भी अपनी गोल-गोल आंखें घुमाकर सवाल किया, 'सर, हमने गौर किया है कि बारिश की जो बूंदें आसमान से टपकती हैं, वे गोल होती हैं, ऐसा क्यों?' 'वाह संगीता! तुम तो बड़े ध्यान से बरसात की बूंदों को देखती हो।' सर हंसे और बोले, 'बच्चों, यह तो तुम जानते ही होगे कि पानी को जिस आकार के बरतन में डाल दें, वह उसके आकार में ही ढल जाता है। जहां तक बारिश के बूंदों की बात है तो 'सरफेस टेंशन' यानी पृष्ठ तनाव की वजह से गोल आकार की हो जाती हैं। ऊंचाई से गिरता हुआ कोई भी द्रव जैसे-जैसे पृथ्वी के पास आता है, वह छोटे-छोटे गोल बूंदों का रूप ले लेता है। गुरुत्वाकर्षण क्षेत्र में सबसे न्यूनतम आकार गोलाकार होता है। बारिश की बूंदें जब स्वतंत्र होकर गिरती हैं, तो वह न्यूनतम आकार लेने का प्रयास करती हैं। इसलिए गिरती हुई बारिश की बूंदें जैसे-जैसे छोटी होती जाती हैं, गोलकार रूप लेने लगती हैं।' एक पल ठहर कर श्रीवास्तव सर ने बच्चों से पूछा,

'अब सबके समझ में आ गया ना कि बारिश कैसे होती है?'

'हां सर!' सभी बच्चे समवेत स्वर में जोर से बोले। उधर बाहर गड़गड़ाहट के साथ जोरदार बारिश शुरू हो गई थी। बच्चों का मन कर रहा था बाहर निकल कर बारिश में भीगें और छप्पाक-छपाई खेलें। *

कविता
आशा शर्मा

बरखा के संग

काले बादल शोर मचाएं
उमड़-घुमड़ कर हमें बुलाएं
दिल करता सब भूल-भालकर
बरखा के संग नाचे गाएं।
इंद्रधनुष को घर ले आएं
रोलर कोस्टर उसे बनाएं
सतरंगी झूले पर चढ़कर
आसमान में पींग बढ़ाएं।
कागज की कश्ती बनवाएं
ताल-तलैया में तैराएं
कैनवास धरती को कर लें
फिर मनचाहे चित्र बनाएं।
गीली मिट्टी से सन जाएं
घमौरियों पर लेप लगाएं
सावन वाली डोकरिया को
अपने घर का पता बताएं।

अंतर बताओ

बच्चों, यहां एक समान दिखने वाले दो चित्र दिए गए हैं। इनमें 6 अंतर हैं। तुम्हें पांच मिनट में ये सभी अंतर खोजने हैं। तो देर किस बात की, फटाफट सारे अंतर खोजो।

उत्तर: 1.लड़की के बाल में लगे फूल की एक पंखुड़ी गायब है। 2.लड़की की दाहिनी हथेली के पीछे दिख रहे पहाड़ की आकृति अलग है। 3.लड़की के फ्रॉक के निचले हिस्से पर दो पीली पट्टियां हैं। 4.लड़की के बाएं हाथ के पीछे फूल वाला एक नन्हा पौधा दिख रहा है। 5.लड़की के बाईं तरफ फूल वाला एक पौधा कम है। 6. लड़की के फ्रॉक के ऊपरी हिस्से में एक रिबन कम है।

सही मैचिंग करो

बच्चों, इस चित्र में सोनू (S), मोनू (M) और राजू (R) फिशिंग कर रहे हैं। उनके फिशिंग रॉड के धागे आपस में उलझ गए हैं। तुम चित्र को गौर से देखो और बताओ कि किसने कौन-सी मछली पकड़ी?

उत्तर: S-2, M-3, R-1

गिनकर बताओ

बच्चों, यहां कई सारी बिल्लियों के चित्र दिए गए हैं। तुम गिनकर बताओ कि इस चित्र में कुल कितनी बिल्लियां दिख रही हैं?

उत्तर-12

दूर होगी लोगों की परेशानी, फैमिली आईडी अलग होने का पोर्टल खुला

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

- अलग फैमली आईडी करवाना बनी नागरिकों के गले की फांस, सरकार की सुविधा बनी असुविधा
- विधानसभा चुनाव नजदीक आते ही फैमिली आईडी को छोड़ा ढीला लेकिन इनकम कम करना अब भी मुसीबत

सरकार समाधान कैंप के जरिये नागरिकों की फैमली आईडी को सुधारने का कार्य कर रही है। लगातार समाधान कैंप में 90 फीसदी से अधिक मामले इनकम सुधार के आ रहे है, लेकिन चौबीस दिन बाद भी इनकम सुधार नहीं हो रहे है। किसान फसल बिजाई के कार्य को छोड़कर लघु सचिवालय के चक्कर लगा रहे है। फैमिली आईडी में इनकम का गलत वेरिफिकेशन की वजह से बीपीएल योग्य नागरिक बहुत परेशान हो रहे है। राज्य सरकार ने सभी योजनाएं फैमिली आईडी से लिंक कर रखी है। बच्चों के दाखिला से लेकर किसान की फसल बेचने तक सभी योजनाओं में फैमिली आईडी अनिवार्य कर रखी है। फैमिली आईडी में बदलाव आम आदमी जरूरत बन गई। ग्रामीण क्षेत्र में पिता का नाम या माता का नाम बच्चों के स्कूल रिकॉर्ड में मिलान नहीं खाने से बच्चों के जाति प्रमाण पत्र, हरियाणा निवास प्रमाण पत्र जैसे भर्ती योग्य दस्तावेज बनने में कठिनाई आ रही है। जिस कारण फैमिली आईडी में बदलाव संभव हो जाते है। लम्बे परिवार होने की वजह से इनकम अधिक होने पर सरकार की सुविधा से वंचित नागरिकों के लिए सरकार ने अलग फैमिली आईडी का ऑप्शन खोल दिया गया है। नागरिक अपने गांव के सीएससी पर जाकर अपनी अलग फैमिली आईडी के लिए अप्लाई कर सकता है। उसके तुरंत बाद उसको नई फैमिली आईडी प्राप्त हो जाती है।

हरिभूमि इंपैक्ट

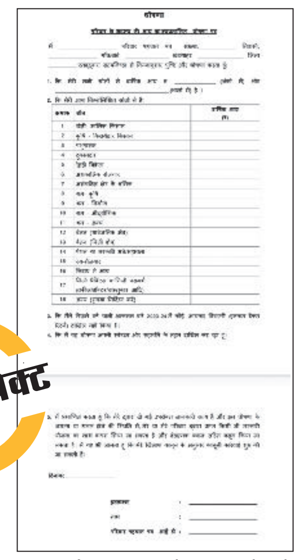

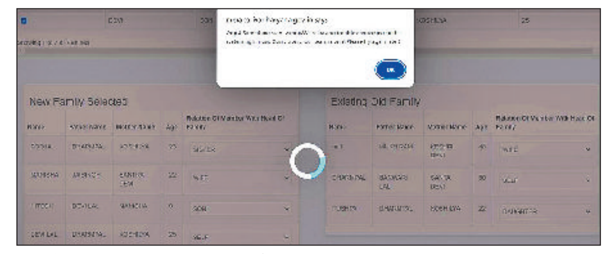

नारनौल। शपथ पत्र तथा पोर्टल नहीं चलने पर साइट एरर।

इनकम रि-वेरिफिकेशन जस की तस

दस जून से हरियाणा के प्रत्येक जिले में समाधान कैंप लग रहे है। इन कैंपों में सर्वाधिक मामले इनकम दोबारा वेरिफिकेशन को लेकर ही आ रहे है। जिसके चलते दो हजार एप्लीकेशन इनकम को सही करवाने हेतु प्राप्त हुई। अधिकारियों की ओर से सभी एप्लीकेशनों को सीएम द्वारा संचालित पोर्टल पर अपलोड किया गया, लेकिन अधिक एप्लीकेशनों को देखते हुए सीएम नायब सिंह सैनी ने नागरिकों की इनकम सही करने हेतु शपथ पत्र पंचायत द्वारा वेरिफिकेशन करवाकर पोर्टल पर अपलोड करने या समाधान कैंप में जमा करवाने के आदेश पारित किए।

कैंप में जमा करवाएं शपथ पत्र

इनकम कम करने के लिए नागरिक शपथ पत्र को लेकर इधर उधर घूम रहे है। यदि आपकी फैमिली आईडी में लोकल कमेटी की ओर से इनकम सत्यापित की गई है तो आय ठीक करने के लिए सीएससी के माध्यम से शपथ पत्र अपलोड करवा सकते है और आपकी इनकम सेक्टर कमेटी से सत्यापित है तो आपको समाधान कैंप में जाकर शपथ पत्र देना होगा। इसके बाद ही कमेटी गठित करके आय को सत्यापित किया जाएगा।

पोर्टल की गति धीमी, लोग परेशान

जैसे ही नागरिकों को अलग फैमली आईडी होने की सूचना मिली लोग सीएससी सेंटरों के चक्कर लगने शुरू कर दिए, लेकिन पोर्टल धीमी गति से चलने की वजह से पूरे दिन सीएससी सेंटरों पर बैठे नजर आए। तीन जुलाई तक फैमिली आईडी को अलग करने के लिए किसी भी प्रकार के ओटीपी की जरूरत नहीं होती थी, लेकिन चार जुलाई से फैमिली आईडी को अलग करने के लिए हेड ऑफ फैमिली मेंबर के पास ओटीपी जाना शुरू हो गया है।

खबर संक्षेप

40 विद्यार्थियों का दूसरे चरण के लिए हुआ चयन

सतनाली मंडी। राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में प्लेसमेंट सैल के तत्वावधान में साक्षात्कार कार्यक्रम का आयोजन किया गया। एनआईआईटी एजेंसी की टीम ने एक्सीस बैंक में सहायक मैनेजर के पद के लिए साक्षात्कार लिए। कॉलेज के प्लेसमेंट सैल इंचार्ज अजीत सिंह ने बताया कि कॉलेज के कुल 62 विद्यार्थियों के साक्षात्कार लेकर 40 विद्यार्थियों का दूसरे चरण के लिए चयन किया।

नाव बनाओ प्रतियोगिता का आयोजन

नारनौल। कुछ दिनों से इंद्रदेवता इलाके पर इतने मेहरबान है कि विद्यालय परिसर में विशेष तौर से क्रीड़ास्थल बरसात के पानी से लबालब भर गया। जिसे देख वीरवार को राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय नायन की कार्यकारी प्रिंसिपल नीतू यादव के नेतृत्व में स्टाफ सदस्यों ने नवाचारी सृजनात्मक प्रयोग करते हुए विद्यार्थियों के बीच कागज की नाव बनाओ प्रतियोगिता का आयोजन किया।

विहिप व बजरंग दल ने जताया आक्रोश

सतनाली मंडी। विश्व हिन्दू परिषद व बजरंग दल के पदाधिकारी तथा सदस्यों ने कस्बे के लोहारू चौक पर लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी की कथित टिप्पणी के विरोध में प्रदर्शन किया और पुतला जलाकर रोष प्रकट किया। जिला सहमंत्री प्रवीण कुमार ने बताया कि राहुल गांधी ने लोकसभा में जो हिन्दू समाज के खिलाफ कथित टिप्पणी की है, इससे रोष है।

यदुवंशी की खुशबू शर्मा ने किया विश्वविद्यालय में टॉप

नारनौल। हाल ही में इंदिरा गांधी विश्वविद्यालय मीरपुर की ओर से एमए इतिहास के चौथा सेमेस्टर का परीक्षा परिणाम घोषित किया गया। हर बार की तरह इस बार भी यदुवंशी डिग्री कॉलेज के विद्यार्थियों ने बहुत ही बेहतरीन परिणाम दिया। कॉलेज की छात्रा खुशबू शर्मा पुत्री लालचंद ने 73.23 प्रतिशत अंक के साथ विश्वविद्यालय में प्रथम स्थान हासिल किया।

एक पौधा कन्यादान के नाम पर नई पहल शुरू की

मंडी अटेली। खंड सिहमा में मोनिका के विवाह समारोह पर ग्रामीण सुनील कुमार बॉस ने एक पौधा कन्यादान के नाम पर एक नई पहल शुरू की है। इस मौके पर सुनील बोस ने कन्या को एक पौधा कन्यादान किया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि पौधा कहीं भी अपने हाथों से लगाकर इसको पानी सीचनें का काम करें, ताकि यह पेड़ बड़ा होकर सभी मनुष्यों की सेवा करें।

विद्यार्थियों व शिक्षकों का दल मनाली के लिए रवाना

नारनौल। हरियाणा स्कूल शिक्षा परियोजना परिषद पंचकूला के तत्वावधान में कक्षा नौवीं से 12वीं कक्षा के राजकीय स्कूलों के मेधावी छात्राओं का दल समर एडवेंचर कैम्प के लिए मनाली के लिए रवाना हुआ।

महेंद्रगढ़ के 68 और नूंह के 85 स्कूलों में सबसे ज्यादा भ्रष्टाचार हुआ: अनुराग ढांडा

पूर्व शिक्षामंत्री की शह के बिना इतने बड़े स्तर पर फर्जी दाखिले का घोटाला असंभव

- शिक्षा घोटाले में सीबीआई की एफआईआर पर हरियाणा सरकार को घेरा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महेंद्रगढ़

आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ प्रदेश उपाध्यक्ष अनुराग ढांडा ने वीरवार को आप कार्यालय में प्रेसवार्ता कर शिक्षा घोटाले में सीबीआई की एफआईआर पर हरियाणा सरकार को घेरा। उनके साथ प्रदेश उपाध्यक्ष डॉ. मनीष यादव और रविंद्र सिंह मटरू मौजूद रहे। उन्होंने कहा कि हरियाणा की जनता पिछले नौ-दस साल से बीजेपी की योजनाओं से तो त्रस्त है, लेकिन अब वो परतें खुलने लगी हैं, जिससे पता चलता है कि बीजेपी की सरकार पूरी तरह से भ्रष्टाचार में डूबी हुई है।

बीजेपी के मंत्री और नेता शुरू से ही भ्रष्टाचार को शह देते आए हैं। कुछ दिन पहले ही सीबीआई ने शिक्षा घोटाले में एफआईआर दर्ज की है। उस एफआईआर मकसद जितना जांच करना है उससे ज्यादा बीजेपी नेताओं को बचाना है। बीजेपी ने 2014 से 2016 तक दो साल में सरकारी स्कूलों में चार लाख बच्चों का फर्जी दाखिला दिखाया गया। इन बच्चों के नाम पर वजीफे, मिड-डे मील और वर्दी के करोड़ों रुपये गबन कर लिए। बीजेपी के शीर्ष नेताओं और उस समय के शिक्षामंत्री के सह के बिना पूरे हरियाणा में इतना बड़ा फर्जी दाखिले का घोटाला संभव नहीं है।

उन्होंने कहा कि कुछ दिन पहले ही ये सीबीआई ने एफआईआर की है। सुप्रीम कोर्ट ने पांच साल पहले 2019 में कहा था कि एसबीआई तीन महीने में जांच करके रिपोर्ट फाइल करे। उस केस में ऐसे सबूत और आंकड़े मौजूद हैं कि सीबीआई को रिपोर्ट दर्ज करनी पड़ी, लेकिन कोर्ट के आदेश के बावजूद सीबीआई ने एफआईआर दर्ज करने में पांच साल लगा दिए। क्योंकि बीजेपी के बड़े नेताओं को बचाना था। आम आदमी पार्टी का आरोप है कि उस समय के शिक्षामंत्री रामबिलास शर्मा को सीबीआई इस पूरे घोटाले में बचाने का प्रयास कर रही है। चार लाख बच्चों के फर्जी दाखिले के मामले में जो घोटाला हुआ इसमें सीबीआई बीजेपी के नेताओं, तत्कालीन मुख्यमंत्री और तत्कालीन शिक्षामंत्री को बचाने का प्रयास कर रही है। उनके मिलीभगत की जांच भी सीबीआई की एफआईआर के दायरे में आनी चाहिए और कोर्ट को भी इसमें हस्तक्षेप करना चाहिए कि कैसे सरेआम नेताओं को बचाया जा रहा है। उस लिस्ट में महेंद्रगढ़ के 68 और नूंह के 85 स्कूलों में सबसे ज्यादा भ्रष्टाचार हुआ। उन्होंने कहा कि हरियाणा के लोग सभी पार्टियों को देख चुके हैं।

पहले की सरकारों ने बिजली, पानी, स्कूल और स्वास्थ्य की सुविधाएं नहीं दे पाई। आम आदमी पार्टी जनसंवाद कार्यक्रम के माध्यम से जनता के पास बीजेपी के भ्रष्टाचार और अरविंद केजरीवाल की नीतियों को लेकर जा रही है। दिल्ली में हुई बैठक में आम आदमी पार्टी ने आने वाले समय में होने वाले कैंपेनिंग और रैलियों पर चर्चा की। जिसमें शीर्ष नेतृत्व से तमाम लिडरशिप पहुंचेगी, जिसमें सुनीता केजरीवाल, सीएम भगवंत मान, डॉ. संदीप पाठक और संजय सिंह समेत सभी को हरियाणा में आमंत्रित किया जाएगा। आम आदमी पार्टी 15 जुलाई तक हर गांव में पहुंचेगी और जनता के मुद्दों को जाना जाएगा।

महेंद्रगढ़। पत्रकारवार्ता करते अनुराग ढांडा, साथ में मनीष यादव व अन्य। फोटो : हरिभूमि

महेंद्रगढ़। लोगों को बैग वितरित करते हुए। फोटो हरिभूमि

प्लास्टिक बैग पर्यावरण पर डाल रहा है विनाशकारी प्रभाव: राव

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महेंद्रगढ़

- हस्ती देवी जनकल्याणार्थ सेवा समिति ने अंतरराष्ट्रीय प्लास्टिक बैग फ्री दिवस पर कार्यक्रम का आयोजन

हस्ती देवी जनकल्याणार्थ समिति की ओर से अंतरराष्ट्रीय प्लास्टिक बैग फ्री दिवस मनाया गया। कार्यक्रम में मुख्यातिथि समिति अध्यक्षा डॉ. पवित्रा राव ने लोगों को जूट के बैग बांटते हुए उन्हें प्लास्टिक बैगों से प्राणी जगत तथा पर्यावरण पर पड़ने वाले विपरीत प्रभाव को लेकर जागरूक किया। अध्यक्षता समिति प्रवक्ता मनोज यादव ने की। समिति द्वारा शिक्षा व पर्यावरण के प्रति जागरूकता कार्यक्रम लगातार किए जा रहे हैं। महिलाओं को पर्यावरण सखी बनाकर उन्हें पर्यावरण के लिए जागरूक करने का काम किया जा रहा है। समिति अध्यक्षा डॉ. पवित्रा राव ने कहा कि यह दिन पर्यावरण पर प्लास्टिक बैग के हानिकारक प्रभावों के बारे में जागरूकता बढ़ाने और प्लास्टिक बैग के उपयोग को कम करने के लिए लोगों को प्रोत्साहित करता है। प्लास्टिक बैग को हमने जागरूकता के अभाव तथा जीवन को ज्यादा ही सरल बनाने के लिए इन्हें दैनिक जीवन का एक अभिन्न अंग बना लिया है जो प्राणी जगत के साथ-साथ अपने पर्यावरण पर विनाशकारी प्रभाव डाल रहा है। प्लास्टिक बैग नॉन-बायोडिग्रेडेबल होते हैं, यानी कि वे सैकड़ों वर्षों तक टिके रह सकते हैं। ऐसे में वे जमीन और जल प्रदूषण का भी एक प्रमुख कारण हैं। ये असहाय पशुओं और वन्यजीवों के लिए खतरा पैदा करते हैं। प्रवक्ता मनोज यादव ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय प्लास्टिक बैग मुक्त दिवस की शुरूआत बैग फ्री वर्ल्ड अभियान द्वारा की गई थी। यह एक वैश्विक आंदोलन जो सिंगल यूज प्लास्टिक बैग की खपत को कम करने के लिए है। इस दिवस का उद्देश्य प्लास्टिक बैग पर निर्भरता को कम करने के लिए जागरूक करना है।

नारनौल। नागरिकों की शिकायतें सुनती डीसी मोनिका गुप्ता। फोटो : हरिभूमि

समाधान शिविर में आई 52 शिकायतें

नारनौल। उपायुक्त मोनिका गुप्ता ने कहा कि राज्य सरकार के निर्देश पर लगाए जा रहे समाधान शिवरों में अधिकारी निर्धारित समय सीमा में आमजन के कार्य करें। समाधान शिविरों में आ रही एक-एक शिकायत का पूरा हिसाब रखा जा रहा है। डीसी वीरवार को लघु सचिवालय में आयोजित समाधान शिविर के बाद अधिकारियों को संबोधित कर रही थी। सभी उपमंडलों में कुल 52 शिकायतें आई। समाधान शिविर में पुलिस अधीक्षक अर्श वर्मा भी मौजूद रहे। उन्होंने अधिकारियों को कहा कि बारिश के सीजन में जल भराव की समस्या को देखते हुए अधिकारी अलर्ट रहे। अधिकारी फील्ड में रहकर स्थिति का खुद जायजा लें। उपायुक्त ने कहा कि समाधान शिविरों को लगाने का मुख्य उद्देश्य लोगों को एक ही छत के नीचे जल्द से जल्द समस्याओं का समाधान करना है। सभी विभागों के अधिकारी हर रोज उपमंडल स्तर पर सुबह नौ से 11 बजे तक शिकायतें सुनते हैं। समाधान शिविरों में प्रॉपर्टी आईडी, परिवार पहचान पत्र, भूमि पंजीकरण, स्थानीय निकाय से अनापत्ति प्रमाण पत्र, नगर पालिकाओं से नक्शे की स्वीकृति, समाज कल्याण विभाग की विभिन्न पेंशन, राशन कार्ड एवं सार्वजनिक वितरण प्रणाली, पुलिस से संबंधित शिकायतों, बिजली, सिंचाई, जनस्वास्थ्य से संबंधित शिकायतों की सुनवाई की जा रही है। अतिरिक्त उपायुक्त दीपक बाबूलाल करवा की अध्यक्षता में डीसी कोर्ट में पहचान पत्र से संबंधित कार्य किए गए, यहां पर भी लोगों के मौके पर ही काम किए गए। इस मौके पर नगराधीश मंजीत कुमार, जिला राजस्व अधिकारी सुशील शर्मा आदि मौजूद थे।

सिंचाई विभाग के कर्मियों ने मुख्य अभियंता को सौंपा ज्ञापन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

सिंचाई विभाग के अंतर्गत कर्मचारियों की जायज मांगों के संबंध में मुख्य अभियंता/एलसीयू बिजेंद्र सिंह नारा से जिला कमेटी महेंद्रगढ़ हरियाणा गवर्मेंट पीडब्ल्यूडी मैकेनिकल वर्करज यूनियन (संबंधित सर्वकर्मचारी संघ) के नेतृत्व में उनके कार्यालय जाकर मुलाकात की। इसका नेतृत्व जिला प्रधान सुनील यादव व जिला सचिव विजेंद्र शर्मा (मांई खुर्द) व सर्व कर्मचारी संघ के जिला प्रधान कौशल यादव ने किया। इस शिष्ट मंडल के साथ कर्मचारियों की जायज मांगों के समाधान के लिए उनको एक ज्ञापन सौंपा। मुख्य अभियंता नारा ने सभी मांगों को जायज ठहराया और पूरा समथर्न किया तथा मांगों को लागू करने के लिए अधीक्षण अभियंता (एसई) सिंचाई विभाग सर्किल नारनौल तुरंत लागू करने के लिए मेल भेजी। ज्ञापन में बताया कि एचकेआरएन व अप्रेंटिस कर रहे कर्मचारियों को अप्रैल 2024 से जून 2024 तक तीने महीने से वेतन न मिल रहा है, जिस कारण कर्मचारी कर्जा लेने को मजबूर हो रहे हैं। खाने के लिए अन्न भी नहीं बचा है और बच्चों की फीस के पैसे भी नहीं हैं। इस पर मुख्य अभियंता ने जल्द से जल्द सेलरी दिलाने का आश्वासन दिया। इसके अलावा सिंचाई विभाग नारनौल में कार्यरत सिविल विंग चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों को नहरों व फीडर को साफ रखने व नहरों से कचरा निकालने का आदेश पारित किया, ताकि जनता को स्वच्छ जल सप्लाई कर सकें। इसके अलावा सही समय पर प्रत्येक पंप हाउस की पानी की गेज रिपोर्ट सौंपने का काम सिविल विंग को सौंपा गया, ताकि नहरें न टूटें। सभी कर्मचारियों को कन्फर्म करने, विभाग में खाली पड़े रिक्त पदों को भरने, वर्क लोड के अनुार पोस्ट बढ़ाने, कैशलेस मेडिकल कार्ड बनवाने आदि पर समझौता हुआ।

नारनौल। मुख्य अभियंता बिजेंद्र सिंह नारा से उनके चंडीगढ़ कार्यालय में मीटिंग करता शिष्ट मंडल।

नेशनल चैंपियनशिप में दृष्टि सोनी ने जीता स्वर्ण पदक

महेंद्रगढ़। चेन्नई में नेशनल डांस स्पोर्ट्स चैंपियनशिप में महेंद्रगढ़ की दृष्टि सोनी पुत्री राहुल सोनी ने प्रथम स्थान प्राप्त कर गोल्ड मेडल हासिल किया। दादा कैलाशचंद सोनी व अमरसिंह सोनी ने बताया कि चेन्नई में आयोजित 14वीं नेशनल डांस स्पोर्ट चैंपियनशिप में हरियाणा के 30 प्रतिभागी थे।

यदुवंशी डिग्री कॉलेज की छात्रा पायल ने विवि में पाया दूसरा स्थान

महेंद्रगढ़। यदुवंशी डिग्री कॉलेज के विद्यार्थियों ने इंदिरा गांधी विश्वविद्यालय मीरपुर रेवाड़ी द्वारा एमए अंग्रेजी विषय के चौथे सेमेस्टर का परीक्षा परिणाम घोषित किया गया। इस परीक्षा परिणाम में यदुवंशी कॉलेज का परिणाम शत-प्रतिशत रहा। यदुवंशी डिग्री कॉलेज की छात्रा पायल पुत्री सोमबीर ने 7.78 प्रतिशत अंक लेकर पूरे विश्वविद्यालय में दूसरा स्थान हासिल किया। संस्था चेयरमैन पूर्व विधायक राव बहादुर सिंह ने कहा कि कॉलेज के यूजी कोर्सेज के बेहतरीन परिणाम की तरह पीजी कोर्सेज के परिणाम भी बहुत ही उत्कृष्ट आ रहे हैं, जो विद्यार्थियों और स्टाफ के मेहनत का फल है। वाइस चेयरमैन एडवोकेट कर्ण सिंह यादव व चेयरपर्सन संगीता यादव ने भी सभी विद्यार्थियों को अपनी ओर से शुभकामनाएं दी। डायरेक्टर विजय सिंह यादव, निदेशक राजेंद्र यादव, डॉ. प्रदीप यादव, कॉलेज प्राचार्य बबरुभान और यदुवंशी कॉलेज के समस्त स्टाफ ने भी अच्छे परीक्षा परिणाम आने पर सभी विद्यार्थियों को बधाई दी और उनके उज्जवल भविष्य की कामना की।

सत्ता जाने के डर से खुद के फैसले बदल रही भाजपा सरकार

नारनौल। पूर्व सत्र न्यायाधीश व विधानसभा से कांग्रेस टिकट के दावेदारी कर रहे राकेश यादव ने कहा कि प्रदेश की भाजपा सरकार अब सत्ता से बेदखल होने के डर से हर रोज यू-टर्न लेने में लगी है। यू-टर्न का रिकॉर्ड बनाने के बाद भी अब इनका सत्ता में बने रहना नामुमकिन है। उन्होंने कहा कि हरियाणा में प्रशासनिक स्तर पर लग रहे समाधान शिविर एक ड्रामा बनकर रह गए हैं। इन समाधान शिविर में अधिकतर नागरिक निराश होकर लौटते हैं। परिवार पहचान पत्र और प्रॉपर्टी आईडी आम जनता के लिए परेशानी का सबब बनी हुई है। अब हरियाणा में 11 जुलाई से 15 जुलाई तक परिवार पहचान पत्र की त्रुटियां ठीक करने के लिए शहरी तथा ग्रामीण स्तर पर फिर ड्रामेबाजी की जाएगी। कांग्रेस की यह मांग है कि इन पोर्टलों को तुरंत बंद किया जाए, क्योंकि यह जन हितैषी नहीं है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सैनी अपनी ही सरकार के द्वारा खोदे गए गड्ढों को भरने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन प्रदेश की जनता सब जानती है। भाजपाइयों को साढ़े नौ साल के शासन के दौरान किए गए कृत्यों के लिए हर प्रदेशवासी से सार्वजनिक माफी मांगनी चाहिए। मीडिया को जारी बयान में इस कांग्रेस नेता ने कहा कि सरपंचों को साधने की मुख्यमंत्री की कोशिश अब कतई सफल नहीं हो सकती।

अनिल कौशिक द्वारा निर्देशित हरियाणा पुलिस की प्रस्तुति ने नशे के विरुद्ध चलाया सार्थक अभियान

एडीजीपी ओपी सिंह की परिकल्पना राम गुरुकुल गमन ने प्राप्त की सफलता

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महेंद्रगढ़

एडीजीपी ओपी सिंह की परिकल्पना एवं अनिल कौशिक द्वारा निर्देशित नाटक राम गुरुकुल गमन राष्ट्रीय स्तर पर पहचान बनाने के साथ-साथ राज्य के अनेक जिलों में मंचित किया जा रहा है।

नशे के विरुद्ध म्यूजिकल ड्रामा राम गुरुकुल गमन का मंचन देर शाम पंचकूला के सेक्टर-14 राजकीय महिला महाविद्यालय ऑडिटोरियम में किया गया। इस मौके पर हरियाणा पुलिस डीजीपी शत्रुजीत कपूर व एडीजीपी ओपी सिंह ने नाटक के कलाकारों को मौके पर बधाई दी। बता दें कि ओपी सिंह की परिकल्पना रामायण के पात्रों के कर्मशील उद्देश्य को नशे की बुराई से जोड़ने का सफल प्रयास कला परिषद निदेशक अनिल कौशिक ने राम गुरुकुल गमन का सफल स्क्रिप्ट लेखन कर नशे के विरुद्ध इस अभियान को सफलता दिलाई।

हरियाणा पुलिस के नारकोटिक्स विभाग की प्रस्तुति राम गुरुकुल गमन का सफल मंचन नासिक महाराष्ट्र में आयोजित राष्ट्रीय युवा उत्सव में हजारों युवाओं को नशा मुक्ति के लिए सफल संदेश दे चुका है।

शीघ्र ही यह नाटक राज्य के अनेक जिलों में मंचित किए जाने के साथ-साथ अनेक राज्यों में भी हरियाणा पुलिस के इस अभियान को युवाओं तक पहुंचाया जाएगा। नाटक कि खूबसूरती रामायण के पात्रों को लाइट एंड साउंड के माध्यम से नशे के विरुद्ध आत्ममंथन के लिए प्रेरित किया। रामलीला परिषद् व राज्य के अनेक कलाकारों ने सफलतम नाट्य प्रस्तुति में अपने अपने किरदारों से न्याय किया।

महेंद्रगढ़। कलाकारों को आशीर्वाद देते डीजीपी शत्रुजीत कपूर, एडीजीपी ओपी सिंह।

इनका रहा योगदान

कार्यक्रम में आईजी अंबाला शिवास कविराज, एसपी नारकोटिक्स विशेष रूप से उपस्थित रहे। नाटक रामगुरुकुल गमन में प्रमोद तिवाड़ी, चंद्रमोहन, विकास तिवाड़ी, अतुल लामडीवाल, पुनीत भारद्वाज, साहिल यादव, हर्ष, जतिन अग्रवाल, लक्की यादव, सुनील भोप्पा, बिट्टू सैनी, जितेंद्र प्रजापत, रिशिका परतापुरिया, रेवाड़ी से संगीता, चंडीगढ़ से भावना व तम्मन्ना, जयपुर से नव्या जांगिड़, तुमीक्षा, माही का विशेष योगदान रहा। नाटक की सफलता में बैंक प्रबंधक गिरीश कानोडिया, रमेश स्प्रा, सोहन टैनी व लक्की का विशेष योगदान रहा।

हकेंवि कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार रोटरी इंटरनेशनल के मानद सदस्य मनोनीत

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार को रोटरी इंटरनेशनल के अंतर्गत आने वाले रोटरी चंडीगढ़ शिवालिक क्लब का मानद सदस्य बनाया गया है। प्रो. टंकेश्वर कुमार चंडीगढ़ में आयोजित कार्यक्रम में कंवलप्रीत को अध्यक्ष तथा विनीत नागपाल को सचिव नियुक्त किए जाने के अवसर पर मुख्यातिथि के रूप में उपस्थित रहे। रोटरी चंडीगढ़ शिवालिक का मानद सदस्य बनाए जाने पर कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि रोटरी इंटरनेशल विश्व के सबसे बड़े सेवा संगठनों में से एक है और इसका उद्देश्य जाति, लिंग, वर्ण के भेदभाव के बिना लोगों की सेवा करना है। कुलपति ने विश्वास दिलाया कि क्लब के मानद सदस्य के रूप में वे समाजहित में हरसंभव योगदान प्रदान करेंगे। विश्वविद्यालय के अधिकारियों, शिक्षकों, शिक्षणेत्तर कर्मचारियों ने कुलपति को बधाई देते हुए कहा कि उनके द्वारा अध्ययन-अध्यापन व शोध के साथ-साथ समाज कल्याण के क्षेत्र में निरंतर जारी प्रयासों के परिणामस्वरूप उन्हें संबंधित संस्था के द्वारा नामित किया गया है। अवश्य ही वे इस भूमिका में भी उल्लेखनीय योगदान प्रदान करेंगे।

हैफेड के रिटायर्ड जिला प्रबंधक संतकुमार की भाभी का निधन

नांगल चौधरी। हैफेड के रिटायर्ड जिला प्रबंधक संतराम की भाभी मूर्ति देवी का निधन हो गया। जिसका पैतृक गांव छापड़ा बीबीपुर में दाहसंस्कार किया गया। परिजनों ने बताया कि 75 वर्षीय मूर्ति देवी बीते करीब एक महीने से बीमार थी।

गंगा देवी पाण्डेय नेत्र चिकित्सालय
पं. दीन दयाल मार्ग, महेंद्रगढ़ (हरि.)-123029

सूचना

हम अपने हस्पताल में सन 2014 से सन 2019 तक के मरीजों का रिकार्ड डिस्ट्रॉय कर रहे हैं। अगर किसी भी मरीज को अपने इस समय का रिकार्ड चाहिए तो वह आज से एक महीने के अंदर अपना रिकॉर्ड प्राप्त कर सकता है अन्यथा नही मिल पायेगा।

प्रबंधक
गंगा देवी पाण्डेय नेत्र चिकित्सालय

रिहायशी इलाकों में घरों एवं दफ्तरों में घुसा पानी

जमकर बरसे बदरा, हर तरफ पानी ही पानी, शहर में जलभराव बना आफत

मंडी अटेली। विद्यालय के सामने टूटी पड़ी सड़क पर खड़े होकर नारेबाजी करते ग्रामीण। फोटो : हरिभूमि

सिहमा स्कूल के सामने सड़क टूटने से राहगीर परेशान

मंडी अटेली। बरसात के कारण टूटी सड़कों से लोगों को घरों से बाहर निकलना दूभर हो गया है। बारिश से सड़कों में जगह-जगह बड़े-बड़े गड्ढे हो गए हैं, जहां से निकलने में राहगीरों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। नारनौल-कनीना मार्ग पर गांव सिहमा के राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय के सामने सड़क में हो रहे गड्ढों से राहगीरों का सड़क मार्ग से निकलना मुश्किल हो गया है। बारिश आने पर वहां से निकलने वाले अधिकतर दो पहिया वाहन नीचे गिर जाते हैं।

मंडी अटेली। जोहड़ ओवरफ्लो होने पर गली में भरा बारिश का पानी।

बारिश से खामपुरा में जोहड़ ओवरफ्लो

मंडी अटेली। क्षेत्र के गांव खामपुरा में बारिश से गांव में बने गंदे पानी का जोहड़ ओवरफ्लो होने से जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। गांव के लगभग 50 से 60 घरों में पानी घुस गया है। पीड़ित ग्रामीणों ने प्रशासन से जल्द से जल्द इस समस्या का समाधान निकालने तथा उन्हें राहत प्रदान करने की मांग की है। खामपुरा गांव की सरपंच प्रियंका यादव ने बताया कि गांव की यह समस्या पिछले 5 वर्षों से लगातार बनी हुई है। परंतु फिर भी प्रशासन इस पर कोई ध्यान नहीं दे रहा है। गांव के लगभग सभी घरों में बारिश के समय पानी भर जाता है।

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

वीरवार प्रातः मानसून के बदरा जमकर बरसे और समूचे क्षेत्र को पानी से तर-बतर कर दिया। हालात ऐसे रहे कि जहां देखो वहां ही पानी ही पानी नजर आ रहा था। जिला मुख्यालय के हालात ऐसे रहे कि यहां नगर परिषद एवं प्रशासनिक अधिकारियों की अकर्मण्यता एवं लापरवाही के चलते पूरा शहर ही जलभराव ग्रस्त हो गया। सुबह के समय जोरदार झमाझम बरसात होने से हर तरफ पानी भर गया और दुकानदार अपनी दुकानें तक नहीं खोल सके। दोपहर को बरसात होने तक अधिकांश मार्केट बंद रहे, क्योंकि उनमें जबरदस्त जलभराव हो गया था।

रिहायशी इलाकों में घरों में पानी घुस गया। इस बरसात में शहर के मध्य से गुजरता छलक नाला भी पूरे उफान रहा और जमकर बहा। बरसात इतनी जोरदार हुई कि अनेक गली-मोहल्लों में घरों में पानी घुस गया। कई सरकारी दफ्तरों का भी यही हाल रहा। जल निकासी का जिम्मा उठा नगर परिषद के कार्यकारी अधिकारी के कार्यालय तक में पानी भरा गया और वह कुर्सी पर ही नहीं बैठे। गौर हो कि इस बार प्री मानसून ने तो इलाके में दस्तक नहीं दी, लेकिन अब मानसून सीजन में जमकर बरसात हो रही है। पिछले एक सप्ताह में तीन बार बरसात हो चुकी है। अब वीरवार को हुई बरसात इस सीजन की अब तक सभी बरसातों में सबसे जोरदार रही। प्रातः करीब साढ़े आठ बजे बरसात शुरू हुई, जो दोपहर तक होती रही। हालांकि जोरदार बरसात करीब दो घंटे ही हुई, लेकिन इस बरसात से हर तरफ पानी ही पानी भर गया।

पहले की भांति ही पार्क गली का सबसे बुरा हाल रहा। इस गली में महावीर चौक की तरफ से बाजार का पानी बहकर आता है और इस गली में पांच-छह फुट तक पानी भर गया और दुकानों में पानी घुस गया। पार्क गली के छोटे नाले की निकास बस स्टैंड तरफ एनएच 11 की सड़क में नीचे बने संकरे नाले एवं उसमें पॉलीथिन व प्लास्टिक का कचरा फंस जाने से इस गली में पानी भर जाता है। पार्क गली ही नहीं, सैन चौक, पुरानी कचहरी, मोहिनी सिनेमा गली, नलापुर, रावका में व्यास जी की हवेली वाली गली, सीआईए रोड मोहल्ला खड़खड़ी, मेहता चौक, चांदुवाड़ा, नेताजी सुभाष स्टेडियम एरिया, अनाज मंडी, राजीव चौक, रेलवे रोड समेत शहर का शायद ही कोई ऐसा एरिया हो, जहां जलभराव कई घंटों तक नहीं रहा हो। इससे आमलोगों को परेशानी हुई।

नारनौल। पीडब्ल्यूडी रेस्ट हाउस रोड पर भरा बरसात का पानी तथा मोहल्ला चांदुवाड़ा में भरा बरसात का पानी। फोटो : हरिभूमि

नारनौल। नगर परिषद के ईओ कार्यालय में घुसा पानी तथा शिवाजी नगर में छलक के निर्माणाधीन पुल के ऊपर से बहता पानी और गोशाला रोड पर ओवरफ्लो होता गंदा नाला। फोटो : हरिभूमि

सरकारी कार्यालय भी नहीं रहे अछूते

नारनौल शहर में जलभराव की वर्षों पुरानी समस्या है, लेकिन कमाल की बात है कि हर साल लाखों रुपये का बजट खर्च करने के बावजूद नगर परिषद के अधिकारी एवं प्रशासन इसका हल नहीं निकाल सके हैं। भारी बरसात में आज नगर परिषद समेत डीसी रेजिडेंस, एसपी की कोठी, आईटीआई, बस स्टैंड, बिजली निगम कार्यकारी अभियंता कार्यालय, सिंचाई विभाग प्रांगण, नागरिक अस्पताल आदि सरकारी संस्थानों के प्रांगण भी जलभराव हो गए है।

नाला भी हुआ ओवरफ्लो

शहर के बीच में बना छलक नाला यूं तो जल निकासी का शहर का प्रमुख स्त्रोत है, लेकिन इसका पक्का निर्माण अब तक पूरा नहीं हो पाया है। पिछले दिनों इसमें पानी को सौखने वाली हरी खरपतवार भी उग आई थी, लेकिन नगर परिषद ने इस पूरे नाले की मानसून से पहले कोई सफाई नहीं करवाई, जिस कारण अब जब जोरदार बरसात हुई तो यह नाला ओवरफ्लो हो गया तथा इसके ईद-गिर्द नाले की गंदगी भी फैल गई। सबसे ज्यादा बुरा हाल पुल बाजार के पास मोहल्ला शिवाजी नगर एवं आसपास का रहा।

महेंद्रगढ़। मोहल्ला वाल्मीकि में सड़क पर भरे पानी से होकर गुजरता बाइक चालक। फोटो : हरिभूमि

महेंद्रगढ़। सैन धर्मशाला के पास पानी से होकर निकलते वाहन। फोटो : हरिभूमि

बरसात से शहर की सड़कें हुई जलमग्न

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महेंद्रगढ़

क्षेत्र में सुबह के समय हुई झमाझम बारिश से लोगों को गर्मी से राहत मिली। बरसात होने से शहर के गली-मोहल्ले और सड़कें जलमग्न हो गए। बता दें कि वीरवार को सुबह करीब आठ बजे अचानक बारिश आनी शुरू हो गई। करीब चार घंटे तक हुई बरसात से शहर की अधिकतर सड़क जलमग्न हो गई। शहर के गली-मोहल्लों की सड़कों पर इतना पानी भरा कि वाहनों का निकलना मुश्किल हो गया।

लोगों ने आरोप लगाया है कि एसडीएम निवास होने के बावजूद पानी निकलवाने के लिए बारिश रूकने के दो घंटे के बाद तक कोई भी अधिकारी यहां पर नही पहुंचे। आखिर ये पानी कब तक निकलेगा। मोहल्ला महायचान में भी गलियों के साथ-साथ घरों तक बरसाती पानी भर गया। जिसके कारण मौहल्ले के लोगों को काफी परेशानी उठानी पड़ी।

शहर के इन इलाकों में भरा पानी

शहर में वीरवार को हुई बरसात से शहर के हिस्सों में पानी भर गया। जिससे वाहन चालकों व राहगीरों को काफी परेशानी उठानी पड़ी। शहर के मौहल्ला महायचान, बालाजी चौक, नगर पालिका कार्यालय, खाद्य पूर्ति विभाग कार्यालय, लघुसचिवालय, डुलाना रोड, रेलवे फ्लाईओवर के नीचे, सतनाली चौक, ब्रहमचारी रोड, एसडीएम आवास के सामने, ऑटो मार्केट, पुराना कोर्ट आदि जगहों पर जल भराव की स्थिति रहीं।

नालों की सफाई नहीं होने से बढ़ी परेशानी

मानसून की बारिश ने शहर की सफाई व्यवस्था की पोल खोल दी। मानसून से पहले नपा के द्वारा शहर में नालों की सफाई नहीं होने से बारिश के पानी के साथ नालों में जमा गंदगी सड़कों पर आ गई। शहर के अधिकतर इलाके बरसाती पानी से लबालब हो गए। नपा द्वारा समय रहते शहर के नालों की सफाई करवाई होती तो इतना जलभराव की समस्या उत्पन्न न होती।

जल निकासी प्रबंधों को लेकर नागरिकों ने उठाए सवाल

हरिभूमि न्यूज ▶▶ कनीना

क्षेत्र में बीते सोमवार को हुई 66 एमएम की बारिश के बाद वीरवार को भी सात एमएम बारिश हुई। जिससे निचले स्थानों पर जलभराव हो गया। जगह-जगह पानी जमा होने पर नागरिकों ने नपा व उपमंडल प्रशासन की कार्यप्रणाली पर समय रहते जल निकासी के उचित प्रबंध न किए जाने को लेकर सवाल खडे.किए। नागरिकों ने कहा कि मानसून की धमाकेदार एंट्री होने से अब तक 73 एमएम बारिश हो चुकी है। जिससे पिछले तीन महीने की गर्मी से निजात मिली है। कनीना में हुई पहली बारिश से कमोबेश 48 प्वाइटों पर पानी जमा हुआ था, अब उनकी संख्या बढ़ने लगी है। जिससे नागरिकों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। रामपुरी रजबाहे से लेकर अटेली मोड, फिलिंग स्टेशन के समीप, कनीना बस स्टैंड, अस्पताल, बीडीपीओ कार्यालय, रेवाड़ी मोड़, अटेली मोड़, पशु अस्पताल, जोहड़ के समीप, सिटी थाना सहित अन्य स्थानों पर पानी जमा रहा। कनीना-महेंद्रगढ़ सड़क मार्ग पर किए जा रहे नाले निर्माण की मिट्टी सड़क के लेवल से अधिक होने के कारण स्टेट हाईवे 24 पर पानी जमा हो गया।

कनीना। स्टेट हाईवे पर अटेली मोड के समीप जमा बारिश का पानी। फोटो : हरिभूमि

क्या कहते हैं नपा सचिव

नगर पालिका सचिव समयपाल सिंह ने कहा कि बरसात के पानी की निकासी के लिए नालों को दुरूस्त करवाया गया है। नपा की टीम जलभराव वाले प्वाइटों पर नजर रख रही है। पानी जमा नहीं होने दिया जाएगा।

फसल बिजाई करने में जुटे किसानों ने जताई खुशी

मानसून की अच्छी बारिश होने के बाद किसानों की ओर से खरीफ फसल बिजाई का कार्य शुरू कर दिया गया है। कपास व नरमें के बाद मूंग, बाजरा, ग्वार की बिजाई की जा रही है। खंड कृषि अधिकारी कार्यालय के एडीओ विकास यादव ने बताया कि कनीना खंड में करीब 33 हजार हेक्टेयर कृषि योग्य भूमि है। जिसमें 6900 हेक्टेयर भूमि में कपास व 98 हेक्टेयर रक्बे में मूंग की खेती गई है। करीब 19 हजार हेक्टेयर भूमि में बाजरा व छह हजार हेक्टेयर में ग्वार बिजाई की संभावना है।

बारिश में गांवों का बुरा हाल, तीन से चार फीट जलभराव

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

मानसून की पहली ही बारिश में जिले के विभिन्न गांवों में ग्राम पंचायत के विकास कायार्ें की पोल खुल गई है। कृष्णावती नदी के तट पर स्थित गांव ढाणी बाठोठा में पानी निकासी की व्यवस्था नहीं है। सफाई के अभाव में पांच साल पहले बनी शिविर लाइन से पानी की निकासी निरंतर रूप से नहीं हो रही है। जिसकी वजह से बारिश का पानी गांव में ही जमा हो रहा है और ग्रमीणों के घरों में पानी घुस रहा है। घरों में पानी घुसने से मकानों की नींव धसने का भय बन रहा है। जानकारी के अनुसार गांव में बारिश के पानी की निकासी एक नाले के सहारे होती है। जो गांव से होते हुए नदी में जाता है, लेकिन पिछले पांच साल से नाले की सफाई नहीं होने की वजह से पानी गांव से बाहर नहीं जाता है। जो वहीं जमा होकर बीमारी का घर बनता जा रहा है।

नारनौल। गांव में जमा बरसात का पानी। फोटो : हरिभूमि

तीन साल से पानी निकासी की मांग

उड़ान जनसेवा ट्रस्ट ढाणी बाठोठा के प्रधान बिरेंद्र यादव ने बताया है कि पिछले तीन साल से बीडीओ, ग्राम सचिव, सरपंच को सूचना देने के बाद भी कोई कारवाई नहीं की गई, बल्कि अनदेखी की जा रही है। जिससे ग्रामीणों में प्रशासन के खिलाफ रोष बना हुआ है। जलभराव की वजह से गांव में बीमारी फैलने का भय बना हुआ है।

नांगलकांठा रूट पर रोडवेज बस सेवा बहाल करने की मांग

नारनौल। नांगलकाठा रूट पर रोडवेज बस सेवा बहाल करने की मांग को लेकर वीरवार को सामाजिक कार्यकर्ता छाजूराम रावत ने रोडवेज महाप्रबंधक के नाम का ज्ञापन यातायात निरीक्षक को सौंपा। जिसमें कहा कि नांगलकाठा रूट पर तीन बजकर 20 मिनट पर चलने वाली बस को एक जुलाई से बंद कर दिया गया है। ज्ञापन में कहा कि इस समय आईटीआई व कॉलेजों के एडमिशन चल रहे हैं, ऐसे में इस रूट के सैकड़ों छात्र-छात्राओं को नारनौल आना-जाना पड़ता है। दोपहर दो बजे के बाद सायं पांच बजे तक इस रूट पर कोई बस नहीं है। यह रूट सवारी भार के दृष्टिकोण से बेहद कामयाब है। दैनिक यात्रीगण, कोचिंग के लिए युवाओं, महिला, बुजुर्ग, आईटीआई व कॉलेज के सैकड़ों छात्र-छात्राओं के सुगम, सुरक्षित परिवहन सेवा के लिए जरूरत तो इस बात की है कि इस रूट पर बस के फेरे बढ़ाए जाए, ना कि वर्तमान में चल रही बस के फेरे में कटौती की जाए। उन्होंने कहा कि नारनौल-नांगलकाठा रूट पर गांव नांगलकाठा, बापडोली, चिंडालिया, खोड़मा, जैलाफ, जाखनी, खटोटी, हमीदपुर, गहली, रघुनाथपुरा सहित दस गांवों के यात्री सफर करते हैं, लेकिन तीन बजकर 20 मिनट पर चलने वाली बस बंद होने से दोपहर दो बजे वाली बस में अत्यधिक भीड़ रहती है और सवारियों को जान जोखिम में डालकर सफर करना पड़ता है। अतः आईटीआई, कॉलेज में आने-जाने वाले छात्रों, कोचिंग के लिए आने वाले युवाओं व जिला स्तरीय कार्यालय व नागरिक अस्पताल नारनौल में होने के कारण दैनिक यात्रियों के साथ-साथ इलाज व अन्य कार्य के लिए आने वाले बुजुर्ग, ग्रामीण व महिलाओं के लिए सुरक्षित, सुगम व सस्ती रोडवेज परिवहन सेवा उपलब्ध करवाई जाए।

ग्रामीण ट्यूबवेल ऑपरेटर आठ को करेंगे प्रदर्शन

नारनौल। ग्रामीण ट्यूबवेल ऑपरेटर यूनियन हरियाणा संबंधित एआईयूटीयूसी के जिला प्रधान महेंद्र सिंह चौहान ने कहा कि जलकर्मियों को जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के अन्तर्गत लेने, नियमित करने व न्यूनतम वेतन लागू करने सहित अन्य मांगों को लेकर आठ जुलाई को प्रातः 10 बजे लघु सचिवालय में प्रदर्शन किया जाएगा। इसके बाद मांगों को लेकर मुख्यमंत्री के नाम उपायुक्त को ज्ञापन भी दिया जाएगा। प्रदर्शन को एआईयूटीयूसी जिला प्रधान मास्टर सुबेसिंह संबोधित करेंगे। जिला प्रधान महेंद्र सिंह चौहान, सचिव सुरेंद्र कुमार मकसुसपुरिया, अटेली ब्लॉक प्रधान कृष्ण, सत्यवीर ब्लॉक प्रधान कनीना, देवेंद्र कुमार ब्लॉक प्रधान सिहमा व राहुल ने जिलाभर के जलकर्मियों से प्रातः नौ बजे लघु सचिवालय पार्क में पंहुचने की अपील की है।

नियमों के उल्लंघन पर पुलिस ने काटे स्कूल बसों के चालान

- हरियाणा स्कूल सुरक्षित वाहन नीति की पालना जरूरी : एडीसी दीपक बाबूलाल करवा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

अतिरिक्त उपायुक्त दीपक बाबूलाल करवा की अगुवाई में पुलिस ने वीरवार को एक विशेष अभियान चलाकर नियमों का उल्लंघन करने वाली स्कूल बसों के चालान काटे और चालकों को नियमों का सख्ती से पालन करने की चेतावनी दी।

इस दौरान एक स्कूल बस में क्षमता से अधिक स्कूली बच्चे मिले, जिस पर तुरंत चालान काटा गया। अतिरिक्त उपायुक्त ने कहा कि जिला प्रशासन भविष्य में भी यह अभियान चलाता रहेगा और बच्चों की सुरक्षा से कोई समझौता नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि हरियाणा स्कूल सुरक्षित वाहन नीति में स्कूल बसों के लिए कुछ नियम निर्धारित किए गए हैं और इन नियमों के किसी भी उल्लंघन पर चालान सहित सख्त कार्रवाई की जाएगी। जिला प्रशासन के लिए बच्चों की सुरक्षा सवार्ेपरि है। उन्होंने सभी स्कूल संचालकों से भी आह्वान किया है कि वह अपनी बसों को नियमों के दायरे में रहकर चलाएं।

नारनौल। क्षमता से अधिक बच्चों से भरी स्कूल बस। फोटो : हरिभूमि

नियमों का पालन करने के दिए निर्देश

अतिरिक्त उपायुक्त ने हरियाणा स्कूल सुरक्षित वाहन नीति के तहत नियमों का पालन करने के निर्देश दिए। उन्होंने बताया कि स्कूल बसों में जीपीएस सिस्टम और सीसीटीवी कैमरे लगे होने चाहिए। बसों को वैध लाइसेंस वाले अनुभवी ड्राइवरों द्वारा चलाया जाना चाहिए। ड्राइवरों को नियमित चिकित्सा जांच और पृष्ठभूमि सत्यापन होना चाहिए। ब्रेक, टायर और अन्य सुरक्षा सुविधाओं की नियमित जांच के साथ बसों को अच्छी स्थिति में बनाए रखा जाना चाहिए। बसों में प्राथमिक चिकित्सा किट और अग्निशामक यंत्र होना चाहिए। इसके अलावा भी इस पॉलिसी के तहत कई नियम निर्धारित किए गए हैं, उन सभी नियमों की पालना की जानी जरूरी है। अतिरिक्त उपायुक्त ने चेतावनी दी कि इन नियमों उल्लंघना पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। जिसमें बस परमिट रद करना और स्कूल तथा बस ऑपरेटर के खिलाफ कानूनी कार्रवाई शामिल है।

स्वास्थ्य विभाग की मलेरिया शाखा ने चलाया डोर टू डोर अभियान

6 माह में 64881 मरीजों के बुखार की जांच, 259 को भेजा नोटिस

- जुलाई माह में डेंगू रोधी के तहत घर-घर जाकर सर्वे करेगी 152 टीम

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

जिले के सभी मलेरिया सुपरवाइजर की मासिक मीटिंग कार्यालय सिविल सर्जन के सभागार में हुई, जिसकी अध्यक्षता उप सिविल सर्जन डॉ. मनीष यादव ने की। डॉ. यादव ने सभी सुपरवाइजर को आदेश दिए कि जुलाई माह को डेंगू रोधी माह के रूप में मनाएं और जनता के बीच जाकर लोगों को डेंगू, मलेरिया, चिकनगुनिया आदि बीमारियों के प्रति जागरूक करें। इनके लक्षण, कारण और बचाव के बारे में विस्तार से बताएं। इसके लिए विभाग ने डोर टू डोर अभियान चलाया हुआ है, जिसके तहत 152 टीमें जिले में घर-घर जाकर सर्वे का कार्य कर रही हैं। इस वर्ष अभी तक 64881 बुखार के मरीजों की जांच की जा चुकी है और जिन घरों में लारवा पाया गया है, ऐसे 259 लोगों को विभाग द्वारा नोटिस दिया गया है। मीटिंग में जिले के सभी सुपरवाइजर के साथ मुकेश यादव, दिनेश शर्मा व मुकेश शर्मा सहित जिला हेडक्वार्टर के सभी कर्मचारी शामिल रहे।

नारनौल। नागरिक अस्पताल में सुपरवाइजर की मीटिंग लेते उप सिविल सर्जन डा. मनीष यादव। फोटो : हरिभूमि

डेंगू जांच के 600 रुपये से अधिक नहीं ले सकता

डॉ. यादव ने सुपरवाइजर से समाज में जागरूकता लाने के लिए पंपलेट, बैनर और अन्य सामग्री का इस्तेमाल करने, जनप्रतिनिधि को इस अभियान में शामिल करने के निर्देश भी दिए। उन्होंने कहा कि लोगों को बताएं कि प्राइवेट हॉस्पिटल में जांच के लिए भी सरकार ने फीस निर्धारित की हुई है। कोई भी अस्पताल डेंगू जांच के 600 रुपये से अधिक नहीं ले सकता। जिला अस्पताल पर डेंगू के मरीजों के लिए अलग से वार्ड बनाया गया है। उन्होंने बताया कि अभी तक 2024 में जिले में कोई भी मलेरिया या डेंगू का पॉजिटिव केस नहीं आया है। बरसात के सीजन को देखते हुए विभाग सतर्क है और अभियान को और तेज करने की दिशा में प्रयास किए जा रहे हैं।

डेंगू की रोकथाम के लिए आशा वर्कर्स को दिया प्रशिक्षण

कनीना। सीएचसी सेहलंग में डेंगू की रोकथाम को लेकर वीरवार को आशा वर्करों को प्रशिक्षित किया गया। यह आशा वर्कर ग्रामीणों को जागरूक करेंगी। सीएचसी सेहलंग में आयोजित शिविर में डा. प्रभा ने आशा वर्करों को डेंगू से बचाव की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि डेंगू एक जानलेवा बीमारी है, जो मादा मच्छर के काटने से फैलती है, जो दिन के समय काटता है। यह मच्छर रूके हुए व साफ पानी में पनपता है। स्वास्थ्य निरीक्षक राजेंद्र सिंह ने कहा कि तेज बुखार होना, तेज सिरदर्द होना, मांसपेशियों व जोड़ों में दर्द होना, आखों में जलन होने पर नजदीकी अस्पताल में जाएं और रक्त की जांच करवाएं। सरकारी अस्पतालों में डेंगू व चिकनगुनिया की जांच निःशुल्क है।

युवक पर डंडों व फव्वारों के पाइप से किया हमला

मंडी अटेली। अटेली थाना के अंतर्गत आने वाले गांव चंदपुरा के खेत में युवक पर डंडों व फव्वारों के पाइप साथ हमला करने वाले तीन लोगों पर पुलिस ने मामला दर्ज किया है। पुलिस में दर्ज शिकायत में पीड़ित व्यक्ति चंदपुरा निवासी रोहित ने बताया कि वह बेंगलुरु से जीएनएम कर रहा है। इसी महीने की एक जुलाई को सायं 5 बजे अपने ट्रैक्टर से खुद के खेत में हल जोत रहा था। उसी समय का गांव के यशवंत व उसके दोस्त माजरा निवासी अमित तथा अटेली मंडी का अंकित बाईक से हमारे खेत में आए और उसके ट्रैक्टर को रोककर पिस्टल दिखाई तथा उसे ट्रैक्टर से नीचे उतार लिया। उन तीनों ने मिलकर उस पर डंडों व फव्वारों के पाइप से उसके दोनों पैरों पर मारा तथा जान से मारने की धमकी दी। जाते समय उसकी जेब से 2300 रुपये भी निकाल ले गए। उसे एक निजी वाहन की सहायता से अटेली सीएचसी भर्ती कराया गया। वहां उपस्थित डॉक्टरों ने उसको नारनौल रेफर कर दिया।

हरियाणा पुलिस के जवान ने बिना दहेज लिए किया विवाह

नांगल चौधरी। नांगल चौधरी पंचायत समिति के पूर्व चेयरमैन सुरेश मूलोदी के पुत्र अनिल कुमार ने बिना दहेज लिए शादी करके मिशाल कायम की है। उन्होंने युवाओं को शिक्षा और संस्कारों को तव्वजो देने का संदेश दिया है। जिससे समाज की एकजुटता रिश्तेदारी के संबंधों में मजबूती आएगी। ग्रामीणों ने बताया कि सुरेश मूलौदी का बड़ा बेटा अनिल कुमार हरियाणा पुलिस में सेवारत है। छोटे पुत्र ने एमबीबीएस की पढ़ाई पूरी करके दिल्ली में प्रेक्टिस आरंभ कर दी है। बुधवार को राजस्थान के सांतोर गांव में ज्योति यादव पुत्री दिनेश कुमार की गोद भराई करने के लिए गए थे।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
महेन्द्रगढ़ :- हरिभूमि कार्यालय, हुड्डा पार्क के सामने, डाक्टर भगत डेंटल अस्पताल वाली गली, नजदीक बस स्टैंड, महेंद्रगढ़।
नारनौल :- सत्य प्लाजा, प्रथम तल, तरूण कलर लैब वाली गली, नजदीक बस स्टैंड, नारनौल
फोन : 8295738500, 9253681005